म्हारो लक्ष्य-राष्ट्र री प्रगति
स्थापित 1935

समाज विकास

एक समाज - श्रेष्ठ समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२५ • वर्ष ७६ • अंक ०७
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

श्री पवन गोयनका अगले सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

२० जुलाई २०२५; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित है - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, आतिथ्य प्रांत छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री अमर बंसल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, प्रांतीय महामंत्री श्री जी जी अग्रवाल, बिहार प्रांतीय अध्यक्ष यूगल किशोर अग्रवाल, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, दिल्ली प्रांत निवर्तमान अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, उत्कल प्रांत निवर्तमान अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल, झारखंड प्रांत निवर्तमान अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल, मध्यप्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय सकलेचा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा, श्री मनोज जैन, श्री जगदीश गोलपुरिया, श्री संजय शर्मा, श्री प्रकाश चंद्र हरलालका एवं अन्य सदस्यगण।

बधाई !

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष

श्री राकेश कुमार बंसल

बधाई !

मध्यप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष

श्री शरद सरावगी

इस अंक में

संपादकीय
- अथ शाखा आख्यान

आपणी बात
- स्मृतियों की गलियारे से गुजरते हुए

रपट
- अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

प्रांतीय समाचार
- झारखंड, उत्कल, पूर्वोत्तर आंध्र प्रदेश, दिल्ली, बिहार मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंग, कर्नाटक

संस्कार-संस्कृति चेतना

२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन
नई दिल्ली
६-७ सितंबर २०२५

विशेष पेज-१७

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ जुलाई २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक ७

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३
● **संपादकीय :** अथ शाखा आख्यान	४
● **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** स्मृतियों की गलियारे से गुजरते हुए	५
● **रपट**	
अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक	७-८
सत्र २०२३-२५ में किये गए कुछ महत्वपूर्ण कार्य	१०
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**	
श्रावण मास, चातुर्मास, पारिवारिक पंचशील सिद्धान्त, पाप व पुण्य की व्याख्या, विजेता भारवि को नम्रता की शिक्षा, बच्चों से बढ़ाएं नजदीकियाँ	१७-२०
● **प्रांतीय समाचार** झारखंड, उत्कल, पूर्वोत्तर, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंग, कर्नाटक	११-१६,२१-२७
● **आलेख** मध्यम वर्ग का अंतहीन द्वंद्व – **राज कुमार सराफ**	२८
● नए सदस्यों का स्वागत	२९, ३२-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आदरणीय शिव लोहिया जी, सादर राम-राम।
केसिंगा में नव-निर्मित राष्ट्र में सम्मेलन के इकलौते निजी कार्यालय भवन के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आपकी गरिमामयी उपस्थिति सभी के लिये आकर्षण का केन्द्र बनी। बतौर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने संबोधन में आप द्वारा कही गयी बातों का निहितार्थ समझना काफी महत्वपूर्ण है। आपने अपनी मारवाड़ी भाषा-बोली को न छोड़ने पर महत्वपूर्ण विचार रखा, जिसे सुन कर लोगों के मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि सम्मेलन के साथ तो मारवाड़ के अलावा हरियाणा, उत्तरप्रदेश सहित विभिन्न प्रान्तों के लोग जुड़े हुये हैं, जिनकी अपनी बोली है - प्रश्न उठता है कि क्या ऐसी स्थिति में भी सभी के लिये मारवाड़ी बोली सीखना जरूरी है?
अपने संबोधन में आप द्वारा किया गया विभिन्न समस्याओं का उल्लेख एवं दिये गये सुझाव, यथा : -समस्याओं की नहीं, समाधान की बात करें, स्वयं सुधरने पर ही समाज सुधरेगा एवं शक्ति के साथ संकल्प का होना जरूरी है आदि से यह निष्कर्ष निकलता है कि कहीं न कहीं हमारी कथनी और करनी में अंतर है। वैसे सच कहूँ, तो लम्बे समय से सम्मेलनों की कवरेज़ करते हुये मेरा भी यही अनुभव रहा है कि मंच से आदर्श की बातें तो बहुत की जातीं हैं, परन्तु आदर्श स्थिति बनती नज़र नहीं आती। क्या हमारे समाज में उन संत की बात का अनुसरण करने की आवश्यकता नहीं, जिन्होंने किसी बच्चे की गुड़ खाने की लत छुड़वाने हेतु पहले स्वयं गुड़ खाना छोड़ा था?
हां, मारवाड़ी एक ऐसा अहम ब्रांड है, जिसके नाम का लोग तो फ़ायदा उठाते है, परन्तु हम स्वयं उसके बारे में नहीं जानते; सम्मेलन एक यज्ञ है और इसे आहुति की ज़रूरत है तथा इसे पुष्पित, पल्लवित करने पर यह समाज को सुरक्षा प्रदान करेगा आदि आप द्वारा कही गयी बातों का लोगों पर गहरा और सकारात्मक असर होता नज़र आया और उपस्थितजनों द्वारा उसकी ख़ूब प्रशंसा की गयी। प्रत्याशा की जानी चाहिये कि अपकी बातें सभी के लिये प्रेरणा का स्त्रोत बनें और उन पर अमल भी हो। सार्थक अभिव्यक्ति के लिये आपका हृदयतल से आभार, साधुवाद। – **सुरेश अग्रवाल,** केसिंगा (ओड़िशा)

• • • • • • • • • •

स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी की पुण्यतिथि मनाई गई

निकटवर्ती गांव चूड़ी अजीतगढ़ में स्थित श्री ठेलाणा धाम बालाजी मंदिर में उद्योगपति समाजसेवी एवं गौ संवर्धन, त्याग व बलिदान की मूर्ति, महान देशभक्त स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर भागवत प्रचार सेवा समिति द्वारा संचालित बेसहारा निराश्रित गौ सेवा संकल्प हमारी संस्कृति हमारी परंपरा में भामाशाह अरूण कुमार चोखानी इंदौर द्वारा गायों को मीठा दलिया व गुड़ खिलाया गया। इस अवसर पर चोखानी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्था अध्यक्ष पं. अनिल मुरारी शर्मा ने चोखानी की जीवनी पर प्रकाश डाला। महाराज ने बताया कि चोखानी ने गरीब असहाय विद्यार्थी को विद्या अध्ययन के लिए शिक्षा की अलख जगाई व मंडावा में शिक्षक संस्था व स्कूल की स्थापना करवाई एवं बेसहारा निराश्रित गौवंश की सेवा के लिए गौशाला की स्थापना की। इस अवसर पर रामावतार शर्मा, शंभुदयाल कुमावत, इंद्र जांगिड़, चेतन पाराशर सहित अनेक गणमान्य नागरिक लोग उपस्थित थे। मंदिर पुजारी बनारसीलाल शर्मा रामपुरा ने सभी का आभार व्यक्ति किया।
(नोट : स्व० रायबहादुर रामदेव चोखानी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष थे)

अथ शाखा आख्यान

बदलते समय के साथ हमारे समाज का स्वरूप भी बदल रहा है। चुनौतियों के साथ अवसर भी बदल रहे हैं। सम्मेलन भी इसका अपवाद नहीं हैं। आज प्रांतों में कहीं साधारण कहीं क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। हाल ही में मुझे उत्कल के एक पिछड़े जिले कालाहांडी के केसिंगा कस्बे में स्थानीय शाखा के भवन उद्घाटन समारोह में भाग लेने का अवसर मिला। किसी भी शाखा के लिए यह एक विशेष गौरवपूर्ण उपलब्धि कहीं जा सकती है। जैसा कि मुझे बताया गया, वहां स्थानीय लोगों से अधिक समाज बंधुओं की जनसंख्या है। एक अत्यंत उत्साहजनक कार्यक्रम में तीन प्रांतीय अध्यक्षों के साथ मैंने भी इस समारोह में भाग लिया। उद्घाटन समारोह में लगभग २०० से अधिक समाज बंधु शामिल थे। दूसरे दिन प्रातः स्थानीय जैन श्वेतांबर भवन में उपस्थित साध्वी जी से सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। इस प्रकार के एक कस्बे में विशाल तेरापंथ भवन का निर्माण उत्साह जनक है। वहा जाकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता भी हुई।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रगति प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय है। पिछले दो वर्षों में वहां पर ३० से अधिक नए शाखाओं गठन हुआ है। वर्तमान प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री विनोद लोहिया के संपादन में पिछले दो महीने से **साप्ताहिक ई पत्रिका** निकल रही है जिसमें शाखाओं की गतिविधियों की झलकियों के साथ सूचना दी जाती हैं। इससे शाखाओं मे उत्साह का संचार होता है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पूरे सत्र में समाज विकास में भी शाखा समाचारों को प्रधानता दी जा रही हैं। पूर्वोत्तर में हाल ही में शाखा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित होना प्रारंभ हो गया है। इन शिविरो में उपस्थिती भी १०० के लगभग हुई एवं प्रतिक्रियायें भी सकारात्मक मिल रही हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर से सदस्यों में सम्मेलन एवं उसके उद्देश्यों के विषय में जानकारी एवं सुझाव मिलते हैं। फलस्वरूप उनके प्रयास सही दिशा में होते हैं एवं उसका सुफल भी अधिक मिलता है। मेरा सभी प्रांतो से विनम्र अनुरोध रहेगा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर को अपने अपने प्रांतो में प्रारंभ करें एवं क्रमबद्ध रूप से सभी शाखाओं को इस कार्यक्रम से जोड़े। यह अगर हम कर पाते हैं तो एक क्रांतिकारी परिवर्तन होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पूर्वोत्तर के अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने १ अप्रैल से ३१ मई २०२५ तक की गतिविधियों को ७० पृष्ठों की फोटो सहित रपट मुझे सौंपी। इस प्रकार की तत्परता की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। पूर्वोत्तर में एक अत्यंत सुगठित टीम है एवं इस टीम में नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं श्री कैलाश काबरा। एक प्रकार से यह चमत्कार से कम नहीं हैं।

सम्मेलन समाचार

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की 'पूप्रमस की सक्रियता' एवं 'घर-घर सम्मेलन, हर घर सम्मेलन' नारे की सराहना

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से भी त्रैमासिक पत्रिका **झलक** प्राप्त हुई। सुरुचि पूर्ण ढंग से गतिविधियों का विवरण एवं आलेख इस पत्रिका में समाहित है। पूरी पत्रिका रंगीन हैं। मैं पत्रिका के संपादक एवं प्रांतीय नेतृत्व को इसके लिए हार्दिक बधाई देता हूं। शाखाओं की बात चली तो मुझे पटना शाखा द्वारा आयोजित **"पधारो म्हारे देश"** कार्यक्रम का भी स्मरण हो आया। यह भी विशाल पैमाने पर आयोजित किया जाता है। पूर्वोत्तर में गुवाहाटी शाखा भी अनेकों नए-नए कार्यक्रम आयोजित करती रहती हैं। शाखाओं को सुदृढ़ करने के लिए इस सत्र में विभिन्न पदक्षेप लिए गए हैं, जिनमें प्रमुख है :

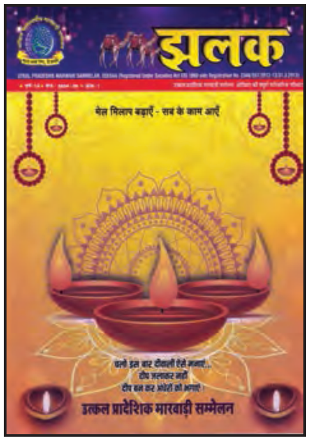

१. नई शाखाध्यक्षों का परिचय एवं फोटो समाज विकास में प्रकाशन।
२. शाखाओं को पुरस्कार की घोषणा
३. शाखाओं को आर्थिक अनुदान की घोषणा
४. समाज विकास में शाखाओं के समाचारों को स्थान देना।
५. राष्ट्रीय पदाधिकारी के दौरे में शाखा पदाधिकदारीगण के साथ विचार विमर्श।

इस सत्र में १०० नए शाखाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अभी तक लगभग ७२ नई शाखाएं का गठन हो पाया है। संतोष का विषय यह है कि मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश जैसे प्रांतो में, जहां ५ से कम शाखाएं थी वहां पर शाखाएं खुल रही हैं एवं संविधान की आवश्यकताओं को पूर्ति करने की ओर अग्रसर हो रही हैं।

यह अतिआवश्यक है कि सभी शाखाएं सम्मेलन के समाज सुधार एवं संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम को अपनाये एवं इसके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त प्रयास करें।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्कल में संगठन मजबूत होने के प्रति में आश्वस्त हूँ। उत्कल के प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल ने वर्तमान शाखा की संख्या को बढ़ाकर १०० शाखा करने का लक्ष्य लिया है। छत्तीसगढ़ में १० नई शाखा एवं मध्य प्रदेश में २० के आसपास शाखा गठन करने का लक्ष्य है। साथ ही पंजाब के अमृतसर में भी शाखा खुल गई है।

स्मृतियों की गलियारें से गुजरते हुए

आपणी बात

प्रसिद्ध विद्वान माइकल अल्टाशुलर ने कहा था– "बुरी खबर यह है कि समय उड़ जाता है। अच्छी खबर यह है कि आप पायलट हैं।" हवा में चौकन्ना रहना पड़ता है। हर पल एक उपहार है, एक अवसर है। शर्त यह है कि आप सजग रहे। १४ मई २०२३ को पद भार ग्रहण करने के पश्चात बिताए गए समय सार्थक समय थे जिसमें हमने चैतन्यता के साथ इस जिम्मेदारी को अवसर में बदलने का पुरजोर प्रयास किया। बीते समय की कुछ ऐसी यादें, कुछ ऐसे अनुभव, कुछ ऐसे एहसास याद आ रहे हैं जिन्हें आपके साथ मैं बांटना चाहूंगा :

विगत २ वर्षों में मैंने सभी बैठकों एवं सभाओं में मायड़ भाषा में ही अपना वक्तव्य दिया।

सभी प्रांतों में दौरा करने के विषय में मैं सचेस्ट रहा। सभी (हां सभी) आमंत्रण को स्वीकार किया गया। यह भी अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इस विषय में दो-तीन को छोड़कर सभी प्रांतो में दौरा हो चुका है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम प्रारंभ किया गया। प्रत्येक सभा एवं बैठकों में अनुरोध के बावजूद अभी तक सिर्फ ७५९ फॉलोअर्स ही मिल पाए हैं जो कि सम्मेलन की शक्ति को देखते हुए जिसमें और अधिक सम्भावनाएँ हैं।

समाज विकास में संस्कार-संस्कृति-चेतना का विशिष्ट परिशिष्ट प्रत्येक अंक में समावेश किया गया।

सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए समाज-सुधार एवं संस्कार-संस्कृति-चेतना विषयों पर रील बनाकर एवं पोस्ट बनाकर प्रचार किया गया।

प्रथम बार सम्मेलन गीत की रचना कर संगीत बद्ध किया गया एवं सभी सदस्यों एवं प्रांतो में वितरित किया गया।

अपने वक्तव्य में मैंने सम्मेलन के विषय में निम्नलिखित आख्यान स्तुत करने का प्रयास किया:–

– सम्मेलन एक विशिष्ट संस्था है। हिमशिला खंड की तरह यह ऊपर से सिर्फ १०% ही दिखाई देता है ९०% यह सागर के अंदर रहता है जो कि दिखाई नहीं देता।

– सम्मेलन एक ऐसी संस्था है जिसे सिर्फ धन बल पर नहीं खड़ा किया जा सकता। इसके पीछे असंख्य कार्यकर्ताओं का खुन पसीना लगा हुआ है।

– मारवाड़ी एक ब्रांड है जिस पर देश को भरोसा है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए।

राजस्थानी भाषा का आपसी बोलचाल एवं विशेष कर नई पीढ़ी के साथ बोलचाल में प्रयोग करने की मुहिम चलाई गई।

संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम को पुनर्जीवित किया गया। सभी प्रांतो से भी अनुरोध किया गया। १० सूत्रीय सुझाव को सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रचारित किया गया।

समाज के सभी घटकों में एकता अति आवश्यक है। इसीलिए इस सत्र का नारा दिया गया – **"आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज"**। अगर हम सभी घटक एक मिलजुल करके रहेंगे तो हमारा समाज श्रेष्ठ हो पाएगा।

महाराष्ट्र उड़ीसा की तरह बंगाल जैसे प्रदेशों में भी स्थानीय भाषा संस्कृति एवं लोगों से समरसता स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।

नारी शिक्षा, विधवा विवाह को प्रोत्साहन एवं पर्दा प्रथा बाल विवाह जैसे कुप्रथाओं के उन्मूलन को लेकर सम्मेलन ने इतिहास रचा था। यह बात लगभग ६ दशक पहले की है। अब नया इतिहास रचने की आवश्यकता है।

मारवाड़ी समाज की पहचान उसकी संस्कार संस्कृति है आज इसे बचाकर हमें रखना है अन्यथा मारवाड़ियत खतरे में है।

कार्यकर्ताओं को उचित स्थान एवं सम्मान मिलने से ही कार्यकर्ता उभरेंगे।

प्रांतों एवं शाखाओ में राष्ट्रीय सुझाव एवं निर्देश के अनुसार कार्यक्रमों के समन्वय करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन मुख्यतः एक वैचारिक संस्था है। सेवा का काम करने वाले असंख्य हैं। हमें हमारे विचारों को हमारे सम्मेलन के सशक्त माध्यम से समाज बंधुओ के साथ जोड़ना एवं उसके बाद उसके विषय में जागरूकता पैदा करना हमारा कर्तव्य है।

जो यह कहते हैं कि सम्मेलन से जुड़ने से हमें क्या मिलेगा, उन्हें समझाना होगा। समाज को सर्वश्रेष्ठ दो समाज आपको सर्वश्रेष्ठ देगा।

समाज सुधार कार्यक्रम में प्रवचन से नहीं आचरण से हम सफलता पा सकते हैं।

दिखावट, बनावट से ही समाज मे आज गिरावट है।

संस्कार संस्कृति आज सिर्फ युवाओं को ही नहीं बल्कि अभिभावकों को भी आवश्यक है।

हनुमान जी की तरह है सम्मेलन की वास्तविक शक्ति का अंदाजा स्वयं हमे भी नहीं है।

हमे बड़े लक्ष्य रखना चाहिए क्योंकि हम हमारी सोच से अधिक नहीं पा सकते।

सदस्यों को सम्मेलन के नेटवर्क का लाभ मिलना चाहिए ताकि मेलजोल के साथ व्यापार, पेशा एवं नौकरी में भी लाभ प्राप्त कर सके।

शिव कुमार लोहिया

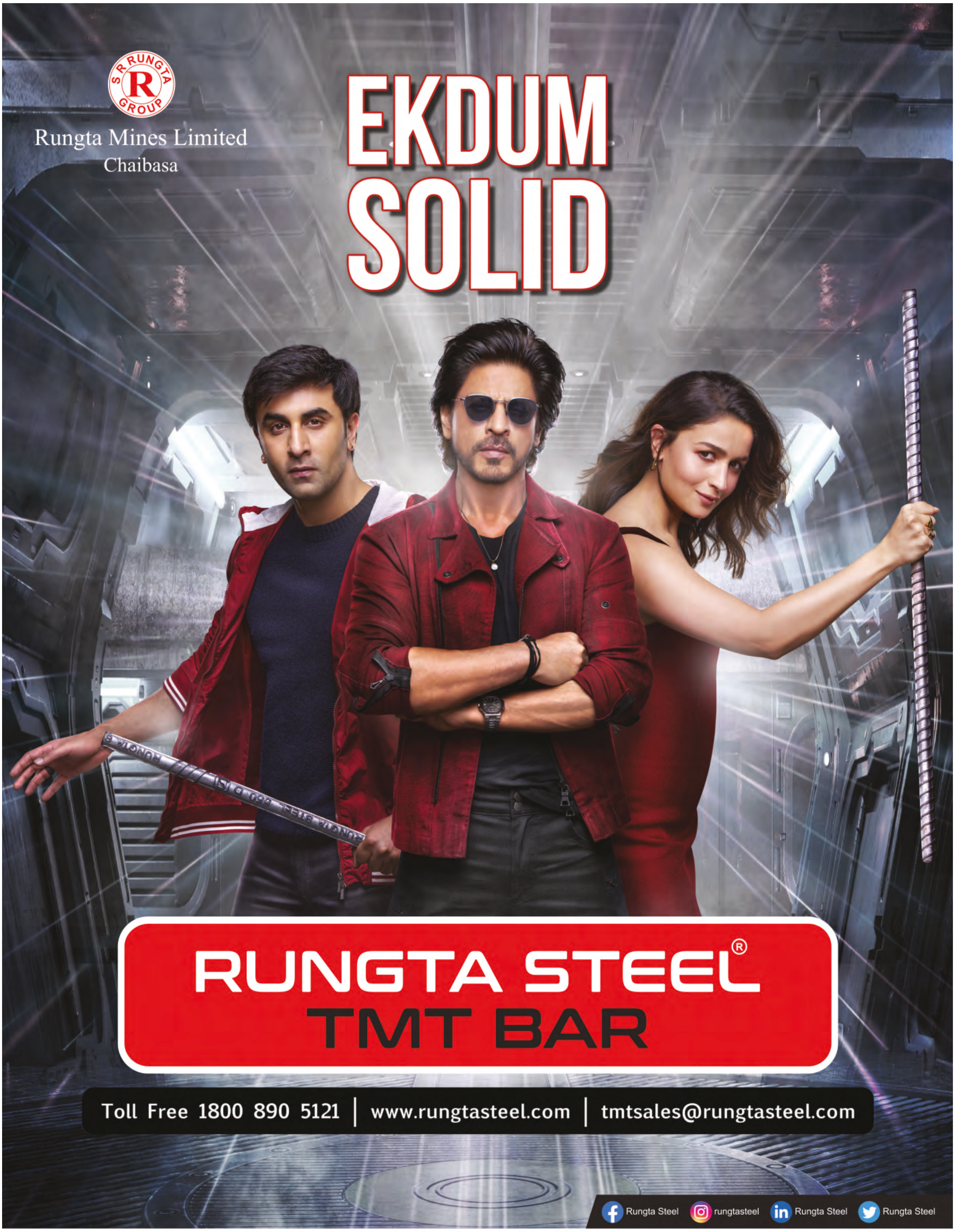

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

सम्मेलन के आगामी सत्र के लिए श्री पवन गोयनका राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। यह बैठक सत्र २०२३-२५ की आखिरी बैठक थी। इस बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया ने कहा कि बदलते समय के साथ-साथ सम्मेलन के गतिविधियों में भी निखार आ रहा है एवं प्रांतो में गतिविधियाँ तेज होती जा रही है। उनकी कार्यशैली में दक्षता भी बढ़ रही है। साथ ही साथ पूर्वोत्तर में नए-नए पदक्षेप लिए जा रहे हैं जिससे सम्मेलन को एक नई दिशा एवं गति मिल रही है। सत्र २०२३-२५ की गतिविधियों के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि अनेकों क्षेत्रों में इस सत्र में रिकार्ड काम किए गए हैं। अनेकों नए-नए पदक्षेप लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा अभूतपूर्व ढंग से प्रांतों एवं शाखाओं का दौरा किया गया है जिसके फलस्वरूप एक व्यापक संपर्क स्थापित होने में सफलता मिली हैं। इसका सकारात्मक फल देखने को मिल रहा है। इसके लिए उन्होंने अपनी पूरी टीम एवं सभी प्रांतों के पदाधिकारी एवं सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार प्रकटकिया। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए आशा व्यक्त की कि आगे भी सम्मेलन इसी गति से बढ़ता जाएगा।

इस बैठक में सम्मेलन के आगामी सत्र २०२५-२७ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नियुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रदीप जीवराजका ने चुनाव प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी देते हुए अगले सत्र के लिए पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, दिल्ली को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रुप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। उन्होंने बताया कि सभी १८ प्रांतों से श्री गोयनका को मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने इस अप्रतिम सफलता के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी एवं आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में सम्मेलन नई ऊंचाइयाँ प्राप्त करेगा। इस बैठक में उपस्थित सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण, प्रांतीय अध्यक्षगण एवं सभी उपस्थित सदस्यों ने श्री पवन गोयनका जी को हार्दिक बधाई दी एवं पुष्प गुच्छ के साथ उनका अभिनंदन किया। श्री गोयनका ने अपने वक्तव्य में सभी सदस्यों से आग्रह किया कि हम सम्मेलन में सबके साथ चलते हुए आगे बढ़ेगे और उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि हम सभी का साथ इस यज्ञ में हमें प्राप्त होगा। उन्होंने सभी से इस संदर्भ में सुझाव आमंत्रित किये। आगामी सत्र के लिए उन्होंने

कुछ रुपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने समाज सुधार, संस्कार संस्कृति के विषय में विस्तृत विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं के मूल में है हमारे संस्कार संस्कृति के अवमूल्यन। इसका हमें पूरा ध्यान रखना होगा उन्होंने सभी सदस्यों एवं प्रांतीय पदाधिकारिगण के प्रति अपना आभार प्रकट किया. जिन्होंने उनके नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं इस विश्वास पर खरा उतरने की हरचंद कोशिश करूँगा।

इसके पहले राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने महामंत्री की रपट प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने सम्मेलन की गतिविधियों को विस्तार से सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। सभी सदस्यों ने इस सत्र में हुए काम कार्यो की सराहना की एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में देश के विभिन्न भागों से पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण पधारे थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, श्री राजकुमार केडिया, श्री मधुसूदन सिकरिया एवं श्री रंजीत जालान ने अपने-अपने प्रभारी प्रदेशों की रपट प्रस्तुत की एवं प्रांतों से आए अध्यक्षगणों ने अपने प्रांतों में हो रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में सम्मेलन का **२८वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांकः ६ और ७ सितंबर नई दिल्ली** में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्य सूची के अनुसार व्यापक विचार-विमर्श के उपरांत विभिन्न निर्णय लिए गए। श्री राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने बैठक का संचालन किया। अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अखिल भारतीय समिति की बैठक के उपरांत आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन जालान ने वर्ष २०२४-२५ के वित्तीय जानकारियाँ प्रस्तुत की। ऑडिटर द्वारा जांच किए गए लेखा-जोखा सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया जिसे विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

झलकियाँ

समाज विकास के पुराने अंको से

अब वैवाहिक समारोहों में नहीं छलकेंगे जाम

मारवाड़ी सम्मेलन की समाज सुधार उपसमिति की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी

अखिल भारतर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की समाज सुधार उपसमिति की बैठक ३० जून २०१७ को डॉ. जुगल किशोर सर्राफ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज सुधार संबंधी कार्यक्रमों पर मंथन कर हाल ही रांची में हुई बैठक में वैवाहिक समारोहों में मदिरापान निषेध संबंधी प्रस्ताव को प्रभावी रूप से लागू करने संबंधी कई फैसले लिए गए।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सम्मेलन के सदस्यों और समाज-परिवारों के सगे-संबंधियों के ऐसी शादियों और समारोहों में शामिल न होने का फैसला लिया है, जहां मदिरापान की व्यवस्था होगी। निमंत्रण-पत्र मिलने पर वर-वधू को पत्र लिखकर बधाई दिया जाएगा और विवाह स्थल पर पहुंचने पर मदिरापान की जानकारी होने पर उसमें अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी शामिल नहीं होंगे।

बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा, डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, सभापति प्रह्लाद राय अगरवाला, महामंत्री शिवकुमार लोहिया और श्रीगोपाल झुनझुनवाला आदि मौजूद थे।

(समाज विकास जून २०१७ से उद्धृत)

उपलब्धियाँ

- जयपुर के श्री तारा चंद अग्रवाल जी
- ७१ साल की उम्र में CA बन गए हैं।
- वे तत्कालीन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर
- एंड जयपुर (SBBJ) से सेवीनिवृत्त हुए
- और अपनी पोती की CA परीक्षा की
- तैयारी में मदद करते हुए CA में रुचि
- रखने लगे।
- दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का
- बेहतरीन उदाहरण। हार्दिक बधाई!

श्रद्धांजलि

सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं हितैषी श्री बनवारी लाल मित्तल की माताजी श्रीमती गोमती देवी मित्तल का २० जुलाई २०२५ को स्वर्गवास हो गया। सम्मेलन परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें एवं शोक संतृप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को वहन करने की शक्ति प्रदान करें ओम शांति।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन प्रतीक चिह्न

कार स्टिकर

मोबाईल स्टिकर

नोट : सम्मेलन का प्रतीक चिह्न स्टिकर मंगवाने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय से सम्पर्क करें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

सत्र २०२३-२५ में किये गए कुछ महत्वपूर्ण कार्य

सम्मेलन मंच एवं अन्य माध्यम से सदस्यों के विचारों का स्वागत - विषय

● राजनीति में मारवाड़ी समाज की वर्तमान भागीदारी की स्थिति ● वैवाहिक जीवन में क्लेश: कारण और समाधान ● एक जागरुक नागरिक के रुप में नवगठित सरकार से हमारी अपेक्षाएँ ● राजस्थानी भाषा का प्रयोग लुप्त सा होता जा रहा हैं। इस क्षरण को रोकने का उपाय ● समाज विकास पत्रिका और अधिक पठनीय एवं और अधिक रोचक बनाने के लिए सुझाव ● नई पीढ़ी में संस्कार और संस्कृति की चेतना कैसे विकसित करें।

संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रमों का आयोजन

एआईएमएफ एप का गुगल प्ले स्टोर में लांच

सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र

(दो सत्रों का वितरण २०२०-२०२३/२०२३-२०२५)

एसएमएस द्वारा सदस्यों को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

एसएमएस के माध्यम से ५०००० लोगों को मोबाइल पर समाज विकास पत्रिका का लिंक भेजना

सदस्यों का रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से स्वयं की जानकारी को सम्मेलन की वेबसाइट पर अपडेट करना।

पुस्तकालय की किताबों को वेबसाइट पर प्रदर्शित

भवन निर्माण कार्य की कार्यवाई-प्रक्रिया गतिशील

संविधान संशोधन संपन्न

प्रांतों में प्राय: ७० शाखाओं का गठन

आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं कर्नाटक में नई शाखाएँ

पंच सुत्रीय कार्यक्रम की घोषणा : (१) समाज सुधार (२) संस्कार-संस्कृति चेतना (३) राजनीति चेतना (४) आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज (५) उच्च शिक्षा-स्वास्थ्य

शाखाओं को वित्तीय सहयोग की घोषणा

प्रांतों को राष्ट्रीय बैठक हेतु सहयोग राशि

नंदकिशोर जालान संगठन सम्मान की शुरुआत

व्यापक मतदान प्रोत्साहन कार्यक्रम द्वारा ६० शहरों से १७६ सेल्फी : विशाखापटनम, काजीरंगा, नार्थ लखीमपुर, गुवाहाटी, पाठशाला, शिवसागर, रायगढ़, जांजगीर चंपा, रायपुर, नई दिल्ली, सूरत, चाईबासा, चक्रधरपुर, जमशेदपुर, धनबाद, दुमका, राजमहल, राँची, बंगलोर, कटनी, इंदौर, हुगली, बांकुड़ा, बड़ाबाजार, बेलूर, रिसड़ा, हावड़ा, आसनसोल, दुर्गापुर, बैरकपुर, कोलकाता, पश्चिम बर्धमान, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, सीतामढ़ी, भागलपुर, बेगूसराय, मोतीपुर, फहरबिसगंज, मुज्जफरपुर, समस्तीपुर, चम्पारण, बेतिया, रक्सौल, सारण, पटना, कराकट, सासाराम, बगाह, आरा, बलांगीर, कटक, जूनागढ़, बरगढ़, तितलागढ़, संबलपुर, काँटाभाजी, भवानीपटना, बालासोर, बलोतरा, वाराणसी, कानपुर।

सिक्किम प्रांत का गठन

सम्मेलन गीत की रचना

गीत को रचनाबद्ध करके सभी प्रांतों में वितरित किया गया

राष्ट्रीय पदाधिकारियों का प्रांतीय दौरा

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री का दौरा

पुरी से प्रारंभ ● उत्कल - संबलपुर, बरगढ़, बलांगीर, सोहेला एवं केसिंगा ● पूर्वोत्तर - शिलांग, नगाँव, गुवाहाटी, जागी रोड, बोकाखाट, जोरहाट, मोरान, डिब्रुगढ़, तिनसुकिया, तेजपुर, बरपेटा रोड, धेमाजी, लखीमपुर, बंदरदेवा (अरुणाचल प्रदेश) बोंगाईगांव एवं सिलचर ● बिहार - पटना (२ बार) भागलपुर (२ बार) खगड़िया, बेगुसराय एवं नवगछिया ● झारखंड - जमशेदपुर ● पश्चिमबंग - जलपाईगुड़ी, मयनागुड़ी, सिलीगुड़ी, गंगटोक ● कर्नाटक - बैंगलोर ● उत्तरप्रदेश - (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के साथ) कानपुर, अयोध्या, वाराणसी, भदोई ● मध्यप्रदेश - इंदौर, उज्जैन, कटनी ● गंगटोक - श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● धनबाद - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● विजयवाड़ा - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● जालना - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● चेन्नई - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● कोचीन - श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● रायगढ़, खरसिया, रायपुर, शक्ति, चांपा, नैला, जांजगीर एवं बिलासपुर - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री ● जोरहाट - श्री पवनकुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ● सूरत - श्री मधुसूदन सिकरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● रुड़की, हरिद्वार - श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री ● दिल्ली - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री रंजीत जालान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ● वाराणसी - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● दुमका - श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● पश्चिम दुर्गापुर, आसनसोल एवं बांकुड़ा श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ● संबलपुर श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री ● कटनी - श्री राजकुमार केडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री महेश जालान, राष्ट्रीय संगठन मंत्री

शिष्टाचार भेंट वार्ता

राष्ट्रीय नेतृत्व, आध्यात्मिक गुरुजन, न्यायपालिका के न्यायधीश से मिलकर सम्मेलन के विषय में जानकारी दी उन्हें अवगत कराया।

(१) महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू (२) महामहिम राज्यपाल पश्चिम बंग डॉ. सी. वी. आनंद बोस (३) आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी (४) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री राजेश बिंदल (५) माननीय मुख्यमंत्री असम सरकार श्री हिमंता बिस्वा शर्मा (६) पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती (७) वित्त मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पश्चिम बंग सरकार, श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य (८) माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, श्री भजनलाल शर्मा (९) केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार श्री अर्जुन राम मेघवाल (१०) महामहिम राज्यपाल, कर्नाटक, श्री थावरचंद गहलोत (११) महामहिम राज्यपाल असम एवं पंजाब, श्री गुलाबचंद कटारिया (१२) अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा, श्री वासुदेव देवनानी (१३) शहरी विकास और स्वशासन विभाग राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार, श्री झाबर सिंह खर्रा, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयनमंत्री, राजस्थान सरकार, श्री गौतम कुमार दक (१४) महामहिम राज्यपाल राजस्थान, श्री हरिभाऊ बागड़े (१५) महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़, श्री रामेन डेका

राष्ट्रीय/प्रांतीय स्तर के विद्वानों ने संगोष्ठी को संबोधित किया

डॉ. गुलाब कोठारी, श्रीमती अलका सरावगी, डॉ. बाबूलाल शर्मा, डॉ. तारा दुग्गड़, डॉ. उज्ज्वल पाटनी, श्री अरुण चुड़ीवाल, श्री प्रियंकर पालीवाल, डॉ. चेतन स्वामी, श्री देवीलाल माहिया, श्री राजेन्द्र जोशी, डॉ. मंगत बादल। बंशीधर शर्मा, मदनलाल लड्ढा, रामजी लाल घोड़ेका विभिन्न राज्यों के लिए अलग-अलग व्हाट्सअप ग्रुप द्वारा जानकारियों का निरंतर बंधन।

कार स्टिकर ● मोबाइल स्टिकर

बुकलेट नये कलेवर में

कुछ महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ

पुस्तकालय ● सीखो राजस्थानी कार्यक्रम ● स्वास्थ्य सहयोग कार्यक्रम ● फेसबुक, इंस्टाग्राम पर सोशल मिडिया अकाउंट (सदस्यों को निरंतर सभी प्रांतों की सूचना का बंधन) ● व्यापार सहयोग कार्यक्रम।

झारखंड नवम प्रांतीय अधिवेशन धनबाद में संपन्न

झारखंड मारवाड़ी सम्मेलन का नौवां प्रांतीय अधिवेशन रविवार को गोविंदपुर के राज विलास रिसोर्ट में हुआ। "नई उमंग" थीम वाले इस आयोजन की मेजबानी धनबाद जिला इकाई ने की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया ने अधिवेशन का उद्घाटन किया। नए प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने शपथ ग्रहण किया। कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन को सिर्फ सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि इससे आगे बढ़कर एक वैचारिक आंदोलन के रूप में स्थापित करना प्राथमिकता है। समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं युवा व मातृशक्ति। इन दोनों की भागीदारी को लगातार बढ़ाना है। भारत सरकार के मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और संजय सेठ के आने की भी घोषणा की गई थी, पर वे नहीं आ सके। पूरे राज्य से ५५० से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। उत्कृष्ट सहभागिता निभानेवाले जिलों को सम्मानित किया गया। सांसद ढुलू महतो, पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल शामिल हुए। स्वागताध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने कहा कि अधिवेशन मारवाड़ी समाज की शक्ति, संस्कृति व समर्पण का प्रतीक है। जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने कहा कि प्रांतीय अधिवेशन के लिए धनबाद को अवसर मिलना गौरव की बात है। धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री ललित झुनझुनवाला ने किया। बसंत मित्तल, रवि शंकर शर्मा, विनोद जैन, पवन शर्मा, ललित झुनझुनवाला, विशाल पाड़िया, मंजू बगाड़िया, गोविंद प्रसाद डालमिया, ताराचंद जैन, संजीव विजयवर्गीय, राजेश रिटोलिया, चेतन गोयनका, विनोद तुलस्यान, संजय गोयल, विनय अग्रवाल, सुरेश पोद्दार, राकेश हेलीवाल, दीपक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, आरबी गोयल, अनिल गुप्ता, किशन अग्रवाल, किशन जिंदल, ओम प्रकाश बजाज, अनिल खेमका, अमित अग्रवाल, नरेश शर्मा, जयप्रकाश अग्रवाल, मुरलीधर पोद्दार, रमेश रिटोलिया, संदीप अग्रवाल बबलू, सुनील तुलस्यान, कृष्ण लुहारूका, कृष्ण लाल, किरण, प्रीति गोयल, रीता, नीमा, सुमन, सीमा, रेणु, सरोज, सुनीता, राजेश, सज्जन आदि भी शामिल थे।

हल्दीपोखर शाखा का गठन

मारवाड़ी समाज को मजबूत करने और संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी समाज की हल्दीपोखर शाखा का गठन आज सर्वसम्मति से किया गया। समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से इस गठन में समाज के प्रतिष्ठित सदस्यों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई।

नवनियुक्त पदाधिकारीगण इस प्रकार हैं –

अध्यक्षः श्री रमेश मोदी उपाध्यक्षः श्री संदीप अग्रवाल एवं श्री आनंद अग्रवाल महासचिवः श्री दिलीप अग्रवाल कोषाध्यक्षः श्री विजय केडिया संगठन महामंत्रीः श्री रुपेश अग्रवाल सह कोषाध्यक्षः श्री आशीष अग्रवाल सह सचिवः श्री नीलेश खंडेलवाल एवं श्री सुनील अग्रवाल संरक्षकगणः श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री महेश केडिया एवं श्री मनोहर शर्मा कार्यकारी सदस्यः श्री सुरेश माहेश्वरी, श्री बाबूलाल माहेश्वरी, श्री महेश बियानी, श्री जयप्रकाश माहेश्वरी एवं श्री संतोष माहेश्वरी।

इस अवसर पर लगभग १५ नए सदस्यों ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण की। आज की बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष श्री मुकेश मित्तल, महासचिव श्री प्रदीप कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, मीडिया प्रभारी श्री अंकित मोदी, श्री रमेश मोदी, श्री विजय केडिया, श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री संदीप अग्रवाल, श्री आनंद अग्रवाल, श्री रुपेश अग्रवाल, श्री दिलीप अग्रवाल, श्री सुरेश माहेश्वरी, श्री नीलेश खंडेलवाल, श्री सुनील अग्रवाल, श्री बाबूलाल माहेश्वरी, श्री जयप्रकाश माहेश्वरी, श्री महेश बियानी, श्री दिलीप अग्रवाल एवं श्री आशीष अग्रवाल उपस्थित रहे।

श्री अशोक विजयवर्गीय जिला अध्यक्ष निर्वाचित

पश्चिमी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन सत्र २०२५-२७ के जिला अध्यक्ष पद के लिए हुए निर्वाचन में अशोक कुमार विजयवर्गीय निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव पदाधिकारी कमल कुमार लाठ ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया ८ जुलाई से प्रारंभ हुई थी, जिसमें अशोक कुमार विजयवर्गी एवं रुपेश अग्रवाल के द्वारा नामांकन पत्र खरीदा एवं जमा किया गया था, किंतु बाद में रुपेश अग्रवाल के द्वारा अपना नामांकन वापस ले लिया गया। इस प्रकार जिला अध्यक्ष पद के लिए एक ही प्रत्याशी होने के कारण उन्हें नर्वाचन प्रमाण-पत्र देकर विजय घोषित किया गया। जिला अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल के द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष को पुष्प गुच्छ देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में कोल्हान प्रमंडल के उपाध्यक्ष रमेश खिरवाल, पुरुषोत्तम शर्मा, ललित शर्मा, अशोक अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, श्याम गोयनका, गौरी शंकर चिरानिया, अनिल मुरारका, नारायण पाड़िया, सुरेश पोद्दार, रमेश चौमाल, शिव बजाज, अनूप केडिया, रुपेश अग्रवाल, नरेश मित्तल, मनोज शर्मा एवं जीवन वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बाबा बासुकीनाथ धाम का दर्शन

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन के करीब तीस (३०) (कपल) सदस्यों ने अपनी अपनी अर्धांगनियों के साथ सुल्तानगंज से जल उठा कर बाबा बैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ में एक साथ जल अर्पण किया।

बाबा बासुकीनाथ की अशीम कृपा से उपरोक्त दिन दुमका से भी कई और सदस्यगण दर्शनार्थ बाबा बासुकीनाथ धाम गए।

पुस्तक "जीवन चेतना" का विमोचन

दुमका के प्रबुद्ध समाजसेवी व स्वतंत्रता सेनानी अपने समाज के कोहिनूर स्व. प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका की जीवनी से संबंधित पुस्तक "जीवन चेतना" का विमोचन दिनांक १० अगस्त २०२५ को नेशनल लाइब्रेरी ऑडिटोरीयम, कोलाकाता में होने जा रहा है।

आम और औषधीय पौधों का रोपण

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत जिला इकाई एवं भागवत सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कामधेनु गौशाला, लिमब्राहा ग्राम में रविवार को एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गौसेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत गौ दर्शन, गौ सेवा और आचार्य विनोद चतुर्वेदी द्वारा गौ पूजा के साथ हुई। इसके पश्चात गौशाला परिसर में फलदार आम और कई आयुर्वेदिक औषधीय पौधों का पौधारोपण किया गया। आम के पौधे पर्यावरण प्रेमी भरतभाई द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराए गए। सि मौके पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाधय्क्ष सुशील अग्रवाल ने आचार्य विनोद चतुर्वेदी का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष संजय डोकानिया, सह सचिव विकास अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विश्वनाथ चौधरी, विनोद मावारिया समेत अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रमुख सूर्यकांत का आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंतम सभी उपस्थितजनों ने साथ मिलकर नाश्ते का आनंद लिया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे आयोजनमें समाजिक समरसता और ऊर्जा का वातारवण बना रहा।

केसिंगा शाखा के नवनिर्मित कार्यालय का लोकार्पण

५ जुलाई २०२५ उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, केसिंगा शाखा के नवनिर्मित कार्यालय भवन का लोकार्पण को सम्पूर्ण ताम-झाम के साथ किया गया। केसिंगा शाखाध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सम्मेलन के विभिन्न प्रादेशिक अध्यक्षों सहित स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया भी इस अवसर के साक्षी बने। स्थानीय जगन्नाथ स्क्वेयर बैंक्वेट हॉल में आयोजित लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि शिवकुमार लोहिया सहित मंचासीन अतिथियों में उत्कल प्रांतीय सम्मेलन अध्यक्ष दिनेश कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक अध्यक्ष अमर बंसल, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल के अलावा पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष नकुल अग्रवाल, गोविन्दराम अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री सुभाषचंद्र अग्रवाल, कालाहाण्डी जोन उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता एवं केसिंगा शाखा सचिव गोपालचंद्र जैन शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत में केसिंगा शाखाध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल की मातुश्री दिवंगत कुसुम देवी के सम्मान में एक मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात मारवाड़ी महिला समिति सदस्यों द्वारा स्वागत गीत पेश किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्यामसुंदर अग्रवाल ने तमाम आमंत्रितों का स्वागत करते हुये कहा कि – नवनिर्मित भवन सेवा और समर्पण का केन्द्र बनेगा, क्योंकि यह भवन केवल ईंट-गारे की इमारत नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक श्रम, दृढ़संकल्प एवं समाजसेवा के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। यह भवन सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का केंद्र बनेगा एवं हम सभी को एकजुट कर बड़े लक्ष्यों की ओर अग्रसर होने नव-ऊर्जा प्रदान करेगा।

इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री सुभाषचंद्र अग्रवाल द्वारा एक महत्वपूर्ण सूचना के तहत बतलाया गया कि - केसिंगा शाखा का

नवनिर्मित कार्यालय भवन देशभर में सम्मेलन का पहला इकलौता निजी भवन है। उन्होंने केसिंगा कार्यालय भवन हेतु भूमिदान करने वाले सांवड़िया वर्मा बंधुओं का स्वागत किया एवं आगामी ३

अगस्त को कांटाबांजी एवं २० अगस्त को रायपुर में होने वाली मारवाड़ी सम्मेलन कार्यकारिणी बैठकों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। ओड़िशा प्रादेशिक अध्यक्ष दिनेश कुमार अग्रवाल द्वारा कहा गया कि - नवनिर्मित भवन समाज की दशा एवं दिशा तय करने में अहम भूमिका अदा करेगा। इस परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक अध्यक्ष अमर बंसल द्वारा उद्गार व्यक्त करते हुये कहा गया कि - एक विचार के आकार का प्रतीक है नवनिर्मित भवन।

सामाजिक न्याय के मामले में अग्रणी है जोन

कालाहाण्डी जोन उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने फरमाया कि - भले ही यह जोन आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा क्यों न हो, सामाजिक न्याय के मामले में अग्रणी हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया द्वारा अपने संबोधन की शुरुआत अपनी भाषा-बोली को न छोड़ने की हिदायत के साथ की गयी। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि - समस्याओं की नहीं, समाधान की बात करें; स्वयं सुधरने पर ही समाज सुधरेगा एवं शक्ति के साथ संकल्प का होना जरूरी हैं। उन्होंने कहा - मारवाड़ी एक ऐसा अहम ब्रांड है, जिसके नाम का लोग तो फायदा उठाते हैं, परन्तु हम स्वयं उसके बारे में नहीं जानते। उन्होंने सम्मेलन को यज्ञ की संज्ञा देते हुये कहा कि इसे आहुति की जरूरत है। आप इसे पुष्पित, पल्लवित करें, यह आपको सुरक्षा प्रदान करेगा। उन्होंने नवनिर्मित केसिंगा शाखा कार्यालय भवन को एक ऐसी राष्ट्रीय मिसाल कहा, जो कि सम्मेलन की देशभर की चार सौ शाखाओं में इकलौती है और उन्हें एक संदेश देती हैं। कार्यक्रम में केसिंगा शाखा कार्यालय भवन हेतु भूमिदान सहित अन्य अंशदान करने वाले तमाम महानुभावों को सम्मानित किया गया। आयोजन में सूत्रधार की भूमिका रौशनी गुप्ता द्वारा निभायी गयी।

प्रांतीय समाचार : बिहार

श्री राजेश कुमार अग्रवाल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

अंतिम उम्मीदवारों की घोषणा

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२६-२७ के लिए निम्न तीन उम्मीदवारों का नामांकन वैद्य पाया गया था।

१. श्री अमर कुमार दहलान सहरसा
२. श्री राकेश कुमार अग्रवाल (बंसल) पटना
३. श्री अजय कुमार टिबड़ेवाल-झंझारपुर

नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि २९.०४.२०२५ थी। उस तिथि के पूर्व दिनांक २८.०४.२०२५ को श्री अमर कुमार दहलान एवं श्री अजय कुमार टिबड़ेवाल ने स्वेच्छा से अपना-अपना नामांकन वापस ले लिये उसके बाद **श्री राकेश कुमार अग्रवाल** (बंसल) पटना प्रादेशिक अध्यक्ष पद के एक मात्र उम्मीदवार है।

इसलिऐ श्री राकेश कुमार अग्रवाल (बंसल) को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया जाता है।

— **कमल नोपानी,** चुनाव अधिकारी

संक्षिप्त परिचय

श्री राकेश कुमार अग्रवाल (बंसल)

राकेश कुमार अग्रवाल का जन्म पौराणिक रतनपुरा से दो किलोमीटर दूरी पर चपोरा गाँव में हुआ। जो जिला बिलासपुर, मध्यप्रदेश में था और वो छत्तीसगढ़ राज्य में आता है। आपश्री की प्रारंभिक शिक्षा गाँव में हुई। तत्पश्चात मिडिल एवं हाई स्कूल कटघोरा, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ से पटना आना हुआ। आगे स्नातक तक की पढ़ाई पटना में हुई। पढ़ाई के उपरांत एक प्राईवेट फर्म में नौकरी की। एक वर्ष नौकरी करने के पश्चात अपना काम करना शुरु किया। सन् १९९७ में निधि अग्रवाल के साथ आपका विवाह संपन्न हुआ। आपके दो बच्चे बेटी सुकन्या बंसल एवं पुत्र मुकुंद बंसल है। सन् २००३ में बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम शुरु किया जो नवयुग होम्स प्रा. लि. के अंतर्गत था। अब तक २२ प्रोजेक्ट्स हैंड ओवर कर चुके एवं ६-८ प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है जो पटना एवं दिल्ली में है। व्यापार में रियल एस्टेट के अलावा ज्वेलरी शॉप एवं वेयर हाउसिंग का भी कार्य चल रहा है।

व्यापार के साथ-साथ शुरु से ही सामाजिक कार्यों में भी काफी रुची रही। मारवाड़ी युवा मंच पटना शाखा के सन् २०००-२००२ तक अध्यक्ष रहें। प्रदेश कार्यकारिणी में भी कई अध्यक्षों के कार्यकाल में जुड़े रहे। इसके अलावा अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट, श्री श्याम मंडल ट्रस्ट के न्यासी, दादीजी सेवा समिति के आजीवन पारिवारिक सदस्य, दैवी संपद मंडल मैनपुरी के न्यासी, जल्ला हनुमान मंदिर समिति के ट्रस्टी, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य, केडिया बिहार के उपाध्यक्ष एवं न्यु पटना क्लब के कार्यकारिणी सदस्य जैसे विभिन्न पदों को सुशोभित किया है। वर्तमान में आप बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष हैं। सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

प्रांतीय समाचार :मध्य प्रदेश

श्री शरद सरावगी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष निर्वाचित

मै कैलाश चन्द्र अग्रवाल चुनाव अधिकारी घोषणा करता हूँ कि श्री शरद सरावगी जी, कटनी को निर्विरोध मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद हेतु घोषित करता हूँ। इनका कार्यकाल १७.०६.२०२५ से १६.०६.२०२७ तक रहेगा।

— **कैलाश चंद्र अग्रवाल**
मुख्य चुनाव अधिकारी
मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

संक्षिप्त परिचय : श्री शरद सरावगी

श्री शरद सरावगी जी का जन्म १७ अक्टूबर १९६७ शरद पूर्णिमा के दिन मध्यप्रदेश के कटनी जिले में हुआ। उनके पिता का नाम स्व. श्री ओमप्रकाश सरावगी और मां का नाम श्रीमती शकुंतला सरावगी है। आप मूलरूप से राजस्थान के चूरू जिला के निवासी हैं। आपका विवाह श्रीमती रश्मि सरावगी से ३० मई १९९३ में हुआ। आपने बी. कॉम. की शिक्षा प्राप्त की।

आपका ऑटोमोबाइल्स में टू व्हीलर / टैक्टर के अधिकृत विक्रेता है। आपका कारोबार मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में संचलित है। आपकी रुचि शुरू से ही निर्धन बच्चों को साक्षर करना और उनको शिक्षा देने के लिए रही। पिछले तीन दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में तन, मन से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप राजस्थानी मारवाड़ी समाज एवं दिगंबर जैन समाज के निम्न पदों पर सेवा का कार्य कर रहे हैं। जिसमें मां राजुल दे ट्रस्ट कोलकाता, महावीर बिकलांग केंद्र कटनी, गुणायतन ट्रस्ट न्यास सम्मेद शिखर जी झारखंड के ट्रस्टी हैं। ओम प्रकाश सरावगी निशुल्क विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष है जो कि वर्ष २०१० से संचालित है अभी तक लगभग १००० विद्यार्थी लाभ ले चुके है।

दिगम्बर जैन समाज कटनी, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप कटनी, दीगंबर जैन शिक्षा संस्थान कटनी के उपाध्यक्ष एवं आप कटनी प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, संस्तापक अध्यक्ष है, राजस्थान मारवाड़ी नवयुवक मण्डल में लगभग १० वर्ष जुड़े रहे। आप दयोदय पशु केंद्र जैसे विभिन्न पदों को सुशोभित किया।

आप कटनी के मुक्तिधाम सेवा समिति के कार्यकारिणी सदस्य है और वहां के अत्यधिक सराहनी कार्यों के कारण कटनी कलेक्टर द्वारा १५ अगस्त २०१९ में समाज सेवा से सम्मानित किया।

डिब्रुगढ़ में आयोजित हुई "सारथी" प्रशिक्षण शिविर

श्री विमल जी अग्रवाल ने सम्मेलन के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी नींव आज से ९० वर्ष पूर्व, सन १९३५ में डिब्रूगढ़ में हमारे पूर्वजों द्वारा रखी गई थी। तत्पश्चात २५ दिसंबर १९३५ को कोलकाता में इसकी विधिवत स्थापना हुई। शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सुधार, समरसता, स्त्री शिक्षा और राष्ट्र निर्माण इसके प्रमुख उद्देश्य थे।

हमारे प्रबुद्ध जनों ने इसके संचालन हेतु एक संविधान की रचना की तथा प्रदेशों को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जोड़ने का कार्य प्रारंभ किया। शाखाओं का गठन आज भी सतत जारी है, और सदस्यता में भी निरंतर वृद्धि हो रही हैं।

श्री विमल जी ने आगे बताया कि हमारे सम्मेलन की दो पूरक संस्थाएं भी हैं - मारवाड़ी युवा मंच और अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन। संविधान के अनुसार, हम १८ वर्ष से अधिक आय के किसी भी मारवाड़ी बंधु को सदस्य बना सकते हैं। किंतु युवा मंच में अधिकतम आयु ४५ वर्ष निर्धारित होने के कारण, ४५ वर्ष से ऊपर के बंधुओं को हमारे सम्मेलन से जोड़ने को प्रथमिकता दी जाती है।

हमारी संस्था का संचालन शाखा स्तर से आरंभ होता है - सबसे पहले शाखा, फिर प्रांत, तत्पश्चात अखिल भारतवर्षीय सम्मेलन पदाधिकारी भी इसी क्रम में चुने जाते हैं।

प्रांतीय स्तर पर सम्मेलन के कार्यों के सुचारू प्रबंधन हेतु:

१. कार्यकारिणी : इसके सदस्यों को मनोनीत कर गठन किया जाता है। कार्यकारिणी सभाओं का आयोजन प्रत्येक तीन माह में किया जाता है, जिनमें कार्यशैली में सुधार, शाखाओं के प्रबंधन तथा दैनंदिन गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की जाती हैं। सारांशतः – यह आत्ममंथन की प्रक्रिया है।

२. प्रांतीय सभा : इसका आयोजन वर्ष में एक बार होता है (अर्थात् दो वर्षीय सत्र में दो बार)। इस सभा में संविधान सम्मत शाखाओं द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि उपस्थित होते हैं। शाखाओं द्वारा प्रस्तुत विषयों या प्रस्तावों पर चर्चा कर, यदि सदन एकमत होता है, तो उन्हें स्वीकृति दी जाती हैं।

३. प्रतिनिधि सभा : यह सभा सम्मेलन के सत्र के समापन पर आयोजित अधिवेशन में होती हैं। समाज, शाखाओं या पदाधिकारियों द्वारा प्रस्तुत समाज सुधार, सामाजिक बदलाव अथवा अन्य आवश्यक विषयों पर प्रस्तावों को पारित कर समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करती हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी संविधान के अनुरूप उपरोक्त नियम ही लागु होते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के पश्चात कार्यकारिणी का गठन होता है और राष्ट्रीय महामंत्री, कोषाध्यक्ष तथा अलग अलग प्रदेशों से लगातार संपर्क व गतिविधियों पर ध्यान रखने हेतु राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को मनोनीत किया जाता है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर एक अखिल भारतीय समिति का भी गठन किया जाता है। जिसमे प्रान्तों द्वारा उनकी सदस्यता संख्या के आधार पर सदस्यों को मनोनीत किया जाता है, जो राष्ट्रीय समिति की बैठकों में हिस्सा ले सकते हैं।

सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों के ५ आदर्श लक्ष्य एवं उद्देश्य:-

१. आत्मावलोकन

पदाधिकारी को समय-समय पर स्वयं के कार्यों का मूल्यांकन करना चाहिए। यह देखा जाए कि उनके निर्णय और कार्य संस्था के उद्देश्यों से मेल खाते हैं या नहीं। आत्मावलोकन से व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ संस्था की प्रगति भी सुनिश्चित होती हैं।

२. स्वयं की विवेचना और सकारात्मकता

अपने विचारों, कार्यशैली और व्यवहार की निष्पक्ष समीक्षा करना आवश्यक है। नकारात्मकता से दूर रहकर, समस्याओं का समाधान सकारात्मक दृष्टिकोण से करना चाहिए। संगठन में उत्साह और ऊर्जा बनाए रखने हेतु प्रेरणादायी नेतृत्व देना ज़रूरी हैं।

३. संविधान और कर्तव्यों की जानकारी

संस्था के संविधान, नियमावली और आचारसंहिता का गहन अध्ययन कर उसे व्यवहार में लाना। अपने अधिकारों के साथ-साथ उत्तरदायित्वों को समझना और उनका ईमानदारी से पालन करना। संविधान अनुसार संस्था के कार्यों का संचालन कर पारदर्शिता बनाए रखना।

४. नेतृत्व का दृष्टिकोण

नेतृत्व का मतलब केवल आदेश देना नहीं, बल्कि सहयोग, प्रेरणा और समन्वय स्थापित करना है। टीम भावना के साथ कार्य करते हुए सदस्यों की प्रतिभा को पहचानना और उन्हें आगे बढ़ाना। भविष्यदृष्टि से निर्णय लेना, संस्था को समयानुकूल दिशा देना और जनहित को सर्वोपरि रखना।

५. सकारात्मक संस्था निर्माण हेतु सामूहिक भागीदारी

उपरोक्त सभी बिंदु मिलकर एक सशक्त, संगठित और सकारात्मक संस्था निर्माण की ओर अग्रसर करते हैं।

पदाधिकारियों को उदाहरण स्वरूप कार्य करना चाहिए, जिससे अन्य सदस्य भी प्रेरित हो।

इसके पश्चात उन्होंने कहा कि किसी भी शाखा को सुचारू रूप से चलाने के पीछे ३ लोगों का सबसे बड़ा हाथ होता है। अध्यक्ष, मंत्री तथा कोषाध्यक्ष। वैसे तो सभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं लेकिन अध्यक्ष का सबसे बड़ा दायित्व होता है कि सबको साथ लेकर चले। अध्यक्ष की सोच समावेशी होनी चाहिए। अपने कर्तव्यों का निर्वहन सम्पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ करे।

ठीक वैसे ही मंत्री या सचिव का कर्तव्य होता है कि, उचित समय पर अपने प्रतिवेदन को प्रान्त को भेजे। प्रान्त के साथ लगातार सम्पर्क में रहे तथा शाखा के सदस्यों को समय-समय पर इनकी सूचना देवे। सदस्यों को हर कार्यक्रम की जानकारी देते रहे। वैसे ही कोषाध्यक्ष का कर्तव्य है कि शाखा के कोष की जानकारी सदस्यों को समय-समय पर उपलब्ध करवाते रहे तथा अपने लेखा जोखा को पारदर्शी बनाये रखे।

सभाओं को अनुष्ठित करवाने के बारे में कहा कि एक तो हम लोगों को आमंत्रित करके सभा कर सकते हैं। दूसरा है ज़ूम या किसी अन्य माध्यम से दूर बैठकर सभा का आयोजन करना।

इसके बाद विमल जी द्वारा प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम भी रखा

गया जिसमें सदस्यों के प्रश्नों के समुचित जबाब दिए गए।

कार्यशाला के अन्यतम संचालक प्रान्तीय महामंत्री ने सभाओं को कैसे प्रभावी बनाया जाए, उसकी कार्य प्रणाली क्या होनी चाहिए। सभाओं के आयोजन में शिष्टाचार (Protocol) का पालन कैसे हो इसकी विस्तृत जानकारी दी गई।

सभाओं में मंच पर आमंत्रित करने का क्रम सदैव सबसे नीचे के पद से शुरु करना चाहिए और अंत मे सबसे बड़े ओहदे वाले व्यक्ति को सबसे अंत में आमंत्रित किया जाना चाहिए।

उनका यह भी कहना था कि हम जब मंचासीन व्यक्तियों का सम्मान करते हैं तब सबसे पहले शिर्ष पदाधिकारी या प्रतिष्ठित या सबसे बुजुर्ग को सम्मानित किया जाना चाहिये। उसके पश्चात क्रमवार ऊपर से नीचे के पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाना उचित है और यही शिष्टाचार भी हैं।

"सारथी" नामक कार्यशाला अत्यंत प्रभावशाली एवं सफल रही। कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्यों ने इसके आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना की। उनका कहना था कि प्रशिक्षण की पद्धति अत्यंत सरल, सहज और प्रभावशाली थी, जिससे विषयवस्तु को समझना बहुत आसान हो गया।

रोहा शाखा द्वारा डॉक्टर का सम्मान

१ जुलाई २०२५ को डॉक्टर दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, रोहा शाखा द्वारा समाज के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर प्रकाश अग्रवाल का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया। सम्मेलन की ओर से अध्यक्ष मातु राम शर्मा, सचिव संदीप खाटू वाला, कोषाध्यक्ष विष्णु खेतान, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम शर्मा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बड़पतार शाखा नवगठित

नवगठित मारवाड़ी सम्मेलन बड़पतार शाखा के प्रस्तावित अध्यक्ष श्री गजानन्दजी अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष सांवरमलजी खेतान सचिव श्री मनोजजी बगड़िया एवं कोषाध्यक्ष पवनजी अग्रवाल एवं सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा द्वारा १३ जुलाई २०२५ को सम्मेलन अध्यक्ष कन्हैयालाल हरलालका की अध्यक्षता में आयोजित समारोह के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं का सार्वजनिक अभिनंदन किया गया।

मंचासीन सभी महानुभावों के साथ सह संयोजक मोतीलाल चांडक और राजेंद्र पारीक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि इंदर प्रसाद साहेवाला का अभिनंदन अध्यक्ष हरलालका ने किया। अध्यक्षीय संबोधन के बाद संयोजक अनिल केजड़ीवाल द्वारा सभा का उद्देश्य व्याख्या की गई। इस वर्ष हमारे समाज के चार डॉक्टर, छह सीए, दो कंपनी सेक्रेटरी, एक एमबीए, एक इंजीनियर, एक मास्टर डिग्री, दो पीएचडी और दो एलएलबी के साथ ही दसवीं के ११ और बारहवीं के १९ छात्रों का सार्वजनिक अभिनंदन कर मेमेंटों प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. साहेवाला ने अपने संबोधन मे सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सम्मेलन को इस तरह के कार्यक्रम हाथ मे लेने के लिए बधाई दी तथा १२ वर्ष से चल रहे इस कार्यक्रम को जारी रखने की सलाह दी। प्रांतीय उपाध्यक्ष माखन गट्टाणी ने अपने संबोधन मे कहा की बच्चों को प्रशासनिक सेवा की तरफ भी ध्यान देना चाहिए तथा हमारे समाज से इस क्षेत्र मे भी आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. सर्वेश्वर अग्रवाल ने छात्रों का उत्साह बढ़ते हुए कहा की हमारी समाज की संस्थाओं को आगे बढ़कर केरियर कॉउन्सलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए तथा इस पर भी हर वर्ष एक कार्यक्रम करना चाहिए। तत्पश्चात पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल गगड़, अनूप अग्रवाल और निशिका अग्रवाल ने भी अपने व्यक्तव्य रखे और सम्मेलन के कार्य कि प्रशंसा की। मंत्री बाबूलाल सांखला द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के बाद राष्ट्रगान के साथ सभा समाज की गई।

शिलांग शाखा के नए अध्यक्ष

शिलांग के राजस्थान विश्राम भवन में अनिल बजाज ने मारवाड़ी सम्मेलन शिलांग शाखा के नव निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। अनिल बजाज के साथ शाखा की महिला अध्यक्ष के रूप में नीलम बजाज ने भी शपथ ली। इस दौरान शाखा के महिला और पुरुष कार्यकारणी सदस्यों को भी शपथ दिलाई गई। नव निर्वाचित अध्यक्ष अनिल बजाज सभी समाज बंधुओं के प्रति आभार प्रकट किया।

श्रावण मास

हिन्दू पंचांग के अनुसार श्रावण मास (सावन माह) साल का पांचवां महीना होता है, जो विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित है। इस मास का महत्व पौराणिक कथाओं और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है, जिसके बारे में आगे आर्टिकल में विस्तार से बता रहे हैं ज्योतिषाचार्य डॉ. अरविंद मिश्र, तो बिना देर किए आइए जानते हैं।

श्रावण मास से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया। इस मंथन में १४ रत्न निकले, जिनमें एक भयंकर विष भी था जिसे **'हलाहल'** कहा गया।

इस विष की ज्वाला इतनी तीव्र थी कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड में त्राहि-त्राहि मच गई। तब सभी देवता और असुर भगवान महादेव (शिवजी) के पास पहुंचे और उनसे इस संकट से उबारने की प्रार्थना कि। तब भगवान शिव ने उस महान विष (हलाहल) का पान किया।

भगवान शिव ने करुणावश उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया, ताकि वह संसार को नष्ट न कर दे। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और वे **"नीलकंठ"** कहलाए।

विष के प्रभाव से उनके शरीर में भयंकर गर्मी उत्पन्न हुई, जिसे शांत करने के लिए देवताओं ने गंगाजल से उनका अभिषेक किया। यह घटना वर्षा ऋतु के श्रावण मास में हुई थी, और तभी से श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करना अति शुभ और फलदायक माना जाता है।

ऐसा विश्वास है कि इस महीने में जल अर्पित करने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों को मनोवांछित फल देते हैं। श्रावण माह (सावन मास) से जुड़ी अन्य मान्यताएं इस प्रकार हैं। इस मास में शिवभक्त नदियों से गंगाजल लाकर कांवड़ में भरकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए की थी तपस्या

श्रावण के हर सोमवार को व्रत रखने और शिव पूजा करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। शिव-पार्वती विवाह कथा का श्रवण भी विशेष रूप से करना चाहिए। इस माह में देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठिन तप किया था। इससे भी यह महीना पवित्र माना जाता है।

आध्यात्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण है

श्रावण मास केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें शिव की उपासना, उपवास, भक्ति और सेवा से जीवन में शांति, सुख, और समृद्धि आती है। इस माह में प्रकृति में नए परिवर्तन होते हैं। सभी जीव जंतु खुश और प्रसन्न होते हैं। प्रेमी प्रेमिका और पति पत्नी में विशेष प्रेम और आकर्षण बढ़ता है।

भाई बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार भी

इस माह में मनाया जाता है। श्रावण माह में प्रकृति अपना प्यार हम सब पर भरपूर लुटाती हैं। श्रावण मास में भगवान शिव जी एवं माता पार्वती जी की पूजा का हजारों गुणा पुण्य मिलता है। श्रावण में हम सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण एवं प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए।

(यहां दी गई जानकारी सामान्य मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है।)

चातुर्मास

हर साल आषाढ़ महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी से चातुर्मास का आरंभ होता है, जो कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी तक चलता है। इस चार महीने की अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। हिंदू धर्म में इसका विशेष महत्व है। कहते हैं कि इस दौरान (चातुर्मास २०२५) भगवान विष्णु की जगह शिव जी पूरे जगत का संचालन करते हैं।

इसी वजह से यह समय शिव पूजन के लिए खास माना जाता है, तो आइए इस माह से जुड़ी सभी प्रमुख बातों को जानते हैं, जो इस प्रकार हैं।

चातुर्मास क्यों लगता है?

प्रचलित धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक के लिए क्षीरसागर में योग निद्रा में चले जाते हैं। भगवान विष्णु के योग निद्रा में होने की वजह से इन चार महीनों में विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन जैसे सभी शुभ काम पर रोक लग जाती हैं। यह अवधि तपस्या, साधना और पूजा-पाठ के लिए समर्पित होती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु ने राजा बलि को दिए गए वरदान के चलते पाताल लोक में वास किया था। इसी कारण से यह अवधि उनके योग निद्रा के रुप में मनाई जाती हैं।

चातुर्मास का धार्मिक महत्व

चातुर्मास का समय आत्म-सुधार और आध्यात्मिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान तपस्या और साधना, रामायण, श्रीमद्भागवत गीता और अन्य धार्मिक ग्रंथों का पाठ, तीर्थ यात्रा, दान-पुण्य, सात्विक जीवन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखने का समय है। ऐसे में इस दौरान ज्यादा से ज्यादा धार्मिक काम से जुड़े रहें। इससे आपके जीवन पर किसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पारिवारिक पंचशील सिद्धान्त

दुर्भावना के वातावरण में पंचशील सिद्धांत अंतर्राष्ट्रीय जगत में भले ही सफल न हुए हों पर पारिवारिक जगत में वे सदा सफल होते हैं। पारिवारिक पंचशील पालन करने से घर में शक्ति बनी रहती है, और प्रेम तथा सुख्यवस्था का वातावरण बना रहता है। पारिवरिक पंचशील यह हैं।

(१) **परस्पर आदर भाव से देखना** : परस्पर के दोषों को देखकर आलोचना करना अनुचित हैं। सभी मनुष्यों में कमजोरियां हैं। भूल होना भी मनुष्य का स्वभाव है। प्रत्येक व्यक्ति आपके घर का सदस्य होने के कारण उसका भी उस घर पर पूरा अधिकार है। यदि रुचि में साम्य न हो अथवा मत वैभिन्नता हो तो वह निरादर का पात्र नहीं है। यह संभव नहीं है कि आपकी रुचि सब से मिल सके। छोटे बच्चे भी आदर के पात्र होते हैं। वे भी अपने आदर-निरादर को समझते हैं। यदि आप किसी बच्चे से स्नेह से बोलेंगे तो वह निश्चय ही आपके गले से लिपट जाएगा। यदि आप उसे झिड़क देंगे तो वह कभी आपके पास आने का नाम भी नहीं लेगा। कड़वी बात जहर से भी बुरी होती हैं। यदि आपकी वाणी मधुर नहीं है तो जीवन में कटुता बढ़ती ही चली जाएगी। घर के किसी सदस्य की तीखी आलोचना करना अवश्य ही बर्दाश्त से बाहर हो सकती हैं। आपके भ्रांत धारणा, चाहे वह भ्रांत न होकर सत्य ही हो, तो भी दूसरे पर तीखी चोट कर सकती है और तब वाणी का वह घाव बड़ी कठिनाई से भर सकता है। विद्वानों का कहना है कि मनुष्य तलवा के घाव से नहीं घबराता, वह उसे हंसते-हंसते सह लेता है परन्तु वाणी का घाव कलेजे में गहरा होता जाता है और वह जीवन भर भरने में नहीं आता।

(२) **अपनी भूल स्वीकार करना** : चेष्टा यह करनी चाहिए कि मतभेद की नौबत ही न आने पावे। अपनी ओर से कोई ऐसी बात मत आने दो जिससे कोई विवाद हो जाए बल्कि दूसरी ओर से होने वाले विवाद को भी शांतिपूर्वक निपटा देना ही बुद्धिमानी हैं। अपने द्वारा हुई भूल को तुरन्त स्वीकार कर लीजिए। आपकी इस स्पष्टवादिता और आदर्श मनोवृत्ति का दूसरों पर अवश्य ही प्रभाव पड़ेगा। यदि आप भूल करके भी उसे स्वीकार नहीं करते तो दूसरों पर उसकी गलत प्रतिक्रिया होगी और क्षमाभाव के बजाय मन में भ्रांत धारणा बनी रहेगी। परस्पर विरोध रहने के कारण अनबन चल रही हो तो उस अनबन को समझौते द्वारा तय कीजिए और आगे के लिए ऐसा ढंग अपनाइए कि समस्या जटिल न होने पावे। अनबन का अन्त यदि शीघ्र ही नहीं होता तो वह धीरे-धीरे भीषण रूप धारण कर लेती है और फिर उसका समाधान बहुत कठिन हो जाता है।

(३) **आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना** : सभी के विचार पृथक-पृथक हो सकते हैं। यदि आपके परिवार के किसी सदस्य के विचार आप से नहीं मिलते और वह अपनी विचारधारा के अनुसार कार्य करता है तो उसके मार्ग में रुकावट न डालिए। उदाहरण के लिए मान लीजिए कि आप राम के उपासक हैं और आपका पुत्र शिव की उपासना करता है, वह राम को नहीं मानता तो उसे अपने मन के अनुसार करने दीजिए। अथवा आप किसी एक राजनैतिक दल से संबद्ध है और आपका पुत्र किसी अन्य राजनैतिक दल का सदस्य हो जाता है, तो उसके इच्छित कार्य से रुष्ट मत होइए। यदि आप उसके विचारों के प्रति अपना दृष्टिकोण उदार रखेंगे तो किसी प्रकार के गृहकलह की संभावना न रहेगी।

(४) **भेदभाव न रखना** : घर में भेदभाव भी कलह का कारण बन जाता है। आपके दो पुत्र हैं, एक को अच्छा भोजन-वस्त्र देते हैं और दूसरे को वैसा नहीं देते तो यह भेद अवश्य ही खटकने वाला होगा। हां, परिस्थितिवश एक को एक प्रकार की सुख-सुविधा देते हैं, तो वह आपका दोष नहीं होगा। फिर भी यदि उनमें से किसी एक को वह बात खले तो उसे भी ठीक करने की चेष्टा करनी चाहिए।

(५) **विचारों का निष्पक्ष निपटारा** : किसी मामले में आपको मध्यस्थ बनाया जाए तो आप एकदम सत्यता पर आ जाइए। कोई कितना ही प्रिय हो, यदि उसके द्वारा ज्यादती हुई है तो उसकी ज्यादती की घोषणा कीजिए और जिसकी हानि हुई है उसके मन को संतोष दीजिए। यदि आप निष्पक्ष न रहे तो आपको उसका भीषण परिणाम भुगतना पड़ेगा। आपका सम्मान इसी में है कि आप सबके विश्वास भाजन बनें। यदि आप सबको एक समान समझेंगे तो परिवार के सभी सदस्य आपकी बात मानने में संतोष करेंगे। अनजाने में यदि आप से कभी कोई भूल हो भी जाएगी, तो उसका कोई ख्याल नहीं करेगा और आपकी प्रतिष्ठा ज्यों की त्यों बनी रहेगी। एक कहावत है कि चार बर्तन होते हैं तो खटकते ही हैं। घर में कभी कुछ कलह उपस्थित हो जाए तो उसे मनुष्य स्वाभाव कमजोरी मानकर अधिक तूल मत दीजिए। झगड़ों को शांत करने का एक बहुत बड़ा नुस्खा है – त्याग। यदि आपने किंचित भी त्याग प्रदर्शित किया तो झगड़ा समाप्त होने में देर न लगेगी। झगड़ों को युद्ध की सी चुनौती के रूप में मत मानिए। विपक्षी का दमन करने की बात मत सोचिए। बल्कि झगड़े के कारण पर विचार कीजिए, और प्रयत्न कीजिए कि वह कारण दूर हो जाए। यदि ऐसा हो सका तो झगड़ा दूर करने में आपको शीघ्र ही सफलता मिल जाएगी। गृह कलह को समाप्त करने का यह प्रमुख सिद्धान्त है। इस पर चल कर देखिए और सफलता मिले तो दूसरों को भी इसका उपदेश कीजिए। यदि आप घर में ही अपने पंचशील को सफल न बना सके तो बाहर उसकी सफलता की आशा कैसे कर सकेंगे।

पाप व पुण्य की व्याख्या

चित्रगुप्त अपनी पोथी के पृष्ठों को उलट रहे थे। यमदूतों द्वारा आज दो व्यक्तियों को उनके सम्मुख पेश किया गया था। यमदूतों ने प्रथम व्यक्ति का परिचय कराते हुए कहा- "यह नगर सेठ है। धन की कोई कमी इनके यहाँ नहीं। खूब पैसा कमाया है और समाज हित के लिए धर्मशाला, मंदिर, कुँआ और विद्यालय जैसे अनेक निर्माण कार्यों में उसका व्यय किया है।" अब दूसरे व्यक्ति की बारी थी। उसे यमदूत ने आगे बढ़ाते हुए कहा- "यह व्यक्ति बहुत गरीब है। दो समय का भोजन जुटाना भी इसके लिए मुश्किल है। एक दिन जब ये भोजन कर रहे थे, एक भूखा कुत्ता इनके पास आया। इन्होंने स्वयं भोजन न कर सारी रोटियाँ कुत्ते को दे दी। स्वयं भूखे रहकर दूसरे की क्षुधा शांत की। अब आप ही बतलाइए कि इन दोनों के लिए क्या आज्ञा है?" चित्रगुप्त काफी देर तक पोथी के पृष्ठों पर आँखें गड़ाए रहे। उन्होंने बड़ी गंभीरता के साथ कहा, "धनी व्यक्ति को नरक में और निर्धन व्यक्ति को स्वर्ग में भेजा जाय।"

चित्रगुप्त के इस निर्णय को सुनकर यमराज और दोनों आगंतुक भी आश्चर्य में पढ़ गए। चित्रगुप्त ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा, "धनी व्यक्ति ने निर्धनों और असहायों का बुरी तरह शोषण किया है। उनकी विवशताओं का दुरुपयोग किया है और उस पैसे से ऐश और आराम का जीवन व्यतीत किया। यदि बचे हुए धन का एक अंश लोकेषणा की पूर्ति हेतु व्यय कर भी दिया, तो उसमें लोकहित का कौन सा कार्य हुआ? निर्माण कार्यों के पीछे यह भावना कार्य कर रही थी कि लोग मेरी प्रशंसा करें, मेरा यश गाएँ। गरीब ने पसीना बहाकर जो कमाई की, उस रोटी को भी समय आने पर भूखे कुत्ते के लिए छोड़ दिया। यह साधन-संपन्न होता, तो न जाने अभावग्रस्त लोगों की कितनी सहायता करता? पाप और पुण्य का संबंध मानवीय भावनाओं से है, क्रियाओं से नहीं। अतः मेरे द्वारा पूर्व में दिया गया निर्णय ही अंतिम है।" सबके मन का समाधान हो चुका था।

विजेता भारवि को नम्रता की शिक्षा

विजेता का सम्मान प्रदर्शित करने के लिए, राजा ने उन्हें हाथी पर बिठाया और स्वयं चँवर डुलाते हुए उनके घर तक ले गए। भारवि जब इस सम्मान के साथ घर पहुँचे, तो उनके माता-पिता की खुशी का ठिकाना न रहा। घर लौट कर सर्वप्रथम उनने अपनी माता को प्रणाम किया। पिता की ओर उपेक्षा भरा अभिवादन भर कर दिए। माता को यह अखरा। झिड़क कर साष्टांग दंडवत् के लिए संकेत किया, सो उनने उसका भी निर्वाह कर दिया। पिता ने सूखे मुँह से 'चिरंजीव' भर कह दिया। बात समाप्त हो गई, पर माता और पिता दोनों ही खिन्न थे। उन्हें वैसी प्रसन्नता न थी, जैसी कि होनी चाहिए थी। गुरुकुल से लौटे हुए छात्र जिस शिष्टाचार से गुरु का अभिवादन करते थे और गुरु जिस प्रकार छाती से लगाकर शिष्य के प्रति आत्मीयता भरा आशीर्वाद प्रदान करते थे, उसका सर्वथा अभाव था। राजा द्वारा हाथी पर बिठाकर चँवर डुलाते हुए घर तक लाने का अहंकार जो था भारवि को। इसमें उसने शिष्टाचार को, विनम्रता को भुला दिया था। मात्र चिह्न पूजा भर की।

पिता की मुख मुद्रा पर खिन्नता देखकर भारवि माता के पास कारण पूछने गए। माता ने बताया। विजयी होने पर लौटने के पीछे, तुम्हारे पिता की कितनी साधना थी, यह तो तुम भूल ही गए। शास्त्रार्थ के दसों दिन उन्होंने जल लेकर सफलता के लिए उपवास किया और इससे पूर्व पढ़ाने में कितना श्रम किया। इसका तो तुम्हें स्मरण ही नहीं रहा। विजय की अहंता तुम्हारे चेहरे पर झलकती है और अभिवादन में चिह्न पूजा भर का शिष्टाचार था। भारवि को अपनी भूल प्रतीत हुई। विद्वता का अहंकार गल गया और एक शिष्य एवं पुत्र का जो विनय होना चाहिए, वह उदय हुआ।

माता की आँखों में आँसू आ गए। उनने कहा – "वस्त! तुम्हारी विजय के पीछे पिता की साधना है। उसे विस्मरण मत करो। विद्वता की विजय के पीछे शिष्य की विनयशीलता का विस्मरण नहीं होना चाहिए।

सबा स निवेदन है आपणां घरां में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

शिवकुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

#मारवाड़ी_भासा_रो_हेलो

बच्चों से बढ़ाएं नजदीकियाँ

दिनभर में कुछ समय बच्चों को दिया जाना बहुत जरुरी होता है, चाहे माता-पिता नौकरी पेशा ही क्यों न हो। रात को डिनर करते समय, सोते समय कहीं साथ जाने के वक्त वह साथ होते हैं, जब बच्चा चाहता है कि आप उससे बात करें। इसलिए कोशिश करें कि घंटे दो घंटे न सही, लेकिन दिनभर में थोड़ा वक्त आप उसके लिए जरूर निकाल सकें।

संवाद इस तरह आरंभ करें कि बच्चों को यह लगे कि आप उनकी चिंता करते हैं। पूछिए कि आज क्या किया? दोस्त कैसे है? स्कूल में क्या-क्या हुआ? बढ़ती उम्र में ही उनके शौक उभरते हैं। इसलिए उनके शौक न सिर्फ जाने, बल्कि एक अच्छे दोस्त की तरह उन्हें आगे बढ़ने में मदद भी करें। अच्छाइयों के साथ कमियां भी दर्शाएं, मगर अवहेलनात्मक लहजे से नहीं। हर बच्चे में कोई न कोई हुनर होता है। उसे जाने और आगे लाने का प्रयास करें। यह सब तभी हो सकता है जब आपकी उससे ज्यादा से ज्यादा बात होगी। छोटे-मोटे मामलों में भी उनकी राय लेने से गुरेज न करें।

बच्चों के साथ बात करते समय कुछ बातें ध्यान में रखनी चाहिए:

जब आपका बच्चा दिलचस्पी से कोई सवाल पूछता है, तो थोड़ी देर के लिए अपना काम छोड़ दें और उसकी जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करें।

कभी-कभी बच्चे की बातों में तारतम्य नहीं होता, लेकिन कोशिश करें समझने की कि वह क्या कहना चाह रहा है।

जब बच्चे ने पूरी बात कह ली, तो उसकी बात एक बार दोहराएं और अपनी प्रतिक्रिया दें। इससे बच्चे को ये एहसास होता है कि आपने उसकी बात सुनी है।

अगर बच्चे की बात सही या गलत हो, तो तुरंत डांटें नहीं। इससे बच्चे डर जाते हैं और फिर आपसे बात करने से कतराते हैं।

समझाते समय बच्चे की भावनाओं को भी अहमियत दें। प्रश्न-प्रतिप्रश्न का यह तरीका माता-पिता और बच्चों के बीच रिश्ते को मजबूत बनाता है। बातचीत को विवाद में न बदलने दें।

बच्चों के साथ बातचीत और उनकी मदद करते समय ध्यान रखने वाली बातें :

बच्चा आपसे क्या चाहता है? क्या उसे मदद चाहिए, आपकी राय, मार्गदर्शन, या बस आप उसकी बातें सुनें और उस पर ध्यान दें?

मुश्किल समय में, बच्चे आपसे सीखते हैं कि कैसे काम करना है। आपको यह सुनिश्चित करना है कि ये सही तरीके से सीखें, न कि गलत तरीके से। बच्चों को सिर्फ निर्देश देने से संवाद नहीं होता। संवाद में उनकी उम्र की बजाय दोस्ती की भावना ज्यादा होनी चाहिए।

बच्चे अपनी पसंद से सीखते हैं। जब तक आप उनके व्यवहार में कुछ गलत नहीं देखते या उसका कारण नहीं समझते, तब तक किसी कार्रवाई में जल्दी न करें।

बच्चे अपने माता-पिता को आदर्श मानते हैं। इसलिए वे अपनी सभी समस्याओं का हल आपसे ही ढूंढते हैं। यह जरूरी है कि आप उनकी हर बात का तार्किक और संतोषजनक उत्तर दें।

संयुक्त परिवार में रहें।
परिवार मे संवेदना जगायें।
दिखावे से बचें।
घर का सुख गरीबी अमीरी मे नहीं आपकी प्रेम और सहकार में है।
संतान और अभिभावक में भावनात्मक आदान-प्रदान जरूरी है।
बच्चों से विवाद न करें।
संतान को सुयोग्य नागरिक बनाइये।
अनुशासन आतंक से नहीं, आत्मीयता से स्थापित करें।
बच्चों मे भेद न करें।
बच्चों के संस्कार कराएं।
अधिक बच्चे पैदा कर विपत्ति मोल न लें।

संस्कार संस्कृति चेतना

१. प्रारंभ से ही बच्चों का विद्यालय जाने से पहले स्नान करना।
२. स्नानोपरांत संक्षिप्त प्रार्थना ।
३. त्योहारों एवं सभी मांगलिक अवसरों पर घर के बड़ों के पाँव छूकर प्रणाम करना ।
४. गीता एवं रामायण का अध्ययन करना एवं उनकी कहानी पढ़ना ।
५. स्तुति/मंत्र कंठस्थ करना ।
६. भारतीय महापुरूषों की जीवनी पढ़ना।
७. घर में मारवाड़ी में बात करना ।
८. हाय हेलो, बाय-बाय, गुड मॉर्निंग की जगह राम-राम, राधे-राधे का प्रयोग करना ।
९. यथा संभव सप्ताह में एक बार मंदिर जाने की आदत डालना व त्योहारों पर पारंपरिक वेश-भूषा में परिवार के साथ मंदिर अवश्य जाना ।
१०. सभी अभिभावक अपने आचरण के प्रति सजग रहे ताकि बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े ।
११. नवजात शिशु को मम्मी पापा की जगह माँ बाबूजी कहने की आदत डालना ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
द्वारा प्रसारित

गुवाहाटी मेट्रो शाखा का शपथ ग्रहण संपन्न

नवगठित मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी मेट्रो शाखा का प्रथम शपथ ग्रहण समारोह छत्रीवाड़ी स्थित लोहिया लायंस ऑडिटोरियम में शनिवार की शाम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं भगवान जगन्नाथ वंदना के साथ हुई, जिसके पश्चात प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद कुमार लोहिया ने स्वागत भाषण दिया। मंच का संचालन संयोजक डॉ. असीम चौधरी ने किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, सम्मानित अतिथियों में प्रांतीय महामंत्री रमेश चांडक, मंडल ई सहायक मंत्री निरंजन सिकरिया, पूप्रमायुमं के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रागज्योतिष कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. दयानंद पाठक, समाजसेवी शंकरलाल गोयनका आदि मौजूद थे। समारोह में मेट्रो शाखा के नव-नियुक्त अध्यक्ष अमित कुमार कंसल, सचिव मनोज पोद्दार सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। संयोजक तनुज जालान और डॉ. असीम चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर एक नवीन पहल के रूप में हेरिटेज टॉक्स नामक पॉडकास्ट का भव्य शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य मारवाड़ी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को संरक्षित करना है।

'यूनिटी फुटबॉल लीग' संपन्न

पलटन बाजार स्थित साई फील्ड में २९ जून २०२५ को मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के तत्वावधान में पहली बार आयोजित बहुप्रतीक्षित यूनिटी फुटबॉल लीग २०२५ ने उत्साह व एकता का नया इतिहास रच डाला। शायद यह पहला मौका है, जब मारवाड़ी समाज के किसी भी सामाजिक संस्था की ओर से फुटबॉल लीग का आयोजन किया गया हो, जिसमें सर्व समाज के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर यूनिटी फुटबॉल लीग के नाम को सार्थक किया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के निर्णायक मैच में विंगर्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडर्स टीम को कड़े संघर्ष में पराजित कर विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। मैच में अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का यह संगम दर्शनीय था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साई के कार्यकारी निदेशक देवेंद्र कुमार मित्तल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मुझे यह देखकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि व्यवसायिक समाज के युवा खेल के प्रति सजग हैं।

इस मौके पर सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, महामंत्री रमेश चांडक, शिवभगवान शर्मा, मंडलिय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक - एओएसआईएस के तुषार बिड़ला, ओरम के विशाल चौहान आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन खेलकूद समिति संयोजक रमेश दमानी ने किया।

शाखा अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन कर उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शाखा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव सूरज सिंघानिया, कोषाध्यक्ष नरेंद्र सोनी, प्रचार मंत्री विवेक सांगानेरिया, खेल संयोजक प्रवीण डागा, रक्तदान समिति संयोजक बजरंग सुराणा, माखनलाल अग्रवाल, विनोद जिंदल, दीपक मित्तल, गौरव सिवोटिया, प्रदीप पाटनी, राकेश भातरा, विजिन प्रकाश, जितेन्द्र जैन, संदीप काबरा, सुजल गोयल, मनोज नायब चांडक, आदित्य मूंदड़ा, महेंद्र नाहर, राजेश भजनका के अलावा कामरूप शाखा के सचिव अनुज चौधरी, कोषाध्यक्ष संजय गीड़िया सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः ७:३० बजे प्रांतीय उपाध्यक्ष विनोद लोहिया की उपस्थिति में हुआ। एक दिवसीय आयोजन में कुल ६ टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फिटनेस साइंस की ओर से खिलाड़ियों के लिए फिजियोथैरेपी सेवाएं दी गई। यूनिटी फुटबॉल लीग २०२५ मात्र एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज की एकता, अनुशासन और युवा ऊर्जा का अद्वितीय उदाहरण बन गया। मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा की समर्पित कार्यकारिणी ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु पूरी निष्ठा, मनोयोग और समन्वय के साथ कार्य किया।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

संगोष्ठी-नोलेज स्ट्रीट का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी मेट्रो शाखा ने दिनांक २० जुलाई २०२५ रविनवार को होटल ऐ.पी. होम्स, गुवाहाटी में कार्यक्रम "नोलेज ट्रीट" आयोजित किया। जिसका विषय था "मारवाड़ी सम्मेलन", जिसमे वक्ता के रूप में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के ऊर्जावान, प्रतिभाशाली महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक जी थे। उन्होंने सभा मे मारवाड़ी सम्मेलन क्यों कैसे और किस कारण से खुला उसके इतिहास की ओर वर्तमान में मारवाड़ी सम्मेलन कैसे कार्य करता है उसके विषय मे विस्तार पूर्वक जानकारी सभा मे रखी।

राजस्थानी भासा

मेवाड़ी, ढूंढाड़ी सागै
हाड़ौती, मरुवाणी,
सगळां स्यूं रळ बणी जकी बा
भासा राजस्थानी,

आप आप री मत थे हांको
निरथक खैंचाताणी,
मीरा लिखगी बीं नै मानो
भासा राजस्थानी,

रवै भरतपुर, अलवर अळघा
आ सोचो क्यांताणी!
हिन्दी री मा सखी बिरज री
भासा राजस्थानी,

खोटी सुण सुण सीख, गमावो
थे मत निज रो पाणी,
जनपद री बोल्यां है मिणियां
माळा राजस्थानी,

इण्या गिण्या कीं सबदां नै ले
बिरथा बात बधाणी,
घर में राड़ जगत में हांसी
मेटै राजस्थानी,

कुण बरजै है पोखो सगळा
निज निज घर री वाणी,
आखो राजस्थान जोड़सी
भासा राजस्थानी।

कन्हैयालाल सेठिया

प्रांतीय समाचार : आन्ध्र प्रदेश

मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति

आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन और विजयवाड़ा मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में जरुरतमंद एवं शिक्षा में अव्वल विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का वितरण समारोह दिनांक २० जुलाई २०२५ को आयोजित की गई।

आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन (आ.प्र.प्रा.मा.स.) के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने उपस्थित समाज बन्धुगणों, शिक्षक एवं बच्चों का स्वागत करते हुए कहा कि अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज सेवा वर्ष १९३५ से कर रहा है।

आ.प्र.प्रा.मा.स. के निवर्तमान अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल ने कहा कि अ.भा.मा.स. वर्ष १९३५ से समाज सेवा में अग्रणीय रहा है कि विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसकी पूरे भारतवर्ष में प्रादेशिक व जिला स्तर पर शाखाएँ हैं। "आंध्रप्रदेश में इसकी ०४ शाखाएँ **तिरुपति**, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम् और **श्रीकाकुलम**" में हैं। आंध्रप्रदेश में इस वर्ष विजयवाड़ा शहर में १४० सदस्यों की बढ़ोत्तरी की गई है जिसके फलस्वरूप हमारी सदस्यों की संख्या ३५९ है।

चांदमल अग्रवाल ने कहा कि हमारे समाज में "प्री वेडिंग" और "विवाह के समय अनगिनत व्यंजन" की लिस्ट समाज के लिए हानिकारक है और यह समाज के लिए कैंसर बनता जा रहा है। अत: हम लोगों को मिलकर इस महामारी से निपटने के लिए फ्री वेडिंग कार्यक्रम को बंद करवाना चाहिए और विवाह के समय कम से कम और ज्यादा से ज्यादा १०-१२ आइटम ही रखना चाहिए।

आं.प्र.प्रा.मा.स. के सचिव बालकिशन लोहिया ने आज दी जानेवाली छात्रवृत्ति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि राजकुमार साबू मेमोरियल राजस्थानी हिंदी विद्यालय इंग्लिश मिडियम स्कूल, डॉ. अम्बेदकर विद्या अकादमी, एन.वी.एल.जैन पब्लिक स्कूल, श्री तेल्लप्रोलु राजा इंग्लिश मीडियम हाईस्कूल के विद्यार्थियों को और गाजी श्री लक्ष्मी, पोन्नागंटी दुर्गासत्यनारायण को मिलाकर करीबन ३० विद्यार्थियों के बीच ०१ से ०७ क्लास के विद्यार्थियों को १० हजार रुपये छात्रवृत्ति दी जा रही है।

"इस कार्यक्रम के मुख्य दानदाता बंशीलाल, नंदकिशोर, बालकिशन लोया, श्याम मार्केटिंग ओमप्रकाश अग्रवाल एवं परिवार, सुभाषचंद गुप्ता एवं परिवार, द्वारकाप्रसाद अग्रवाल (डलुभाई) एवं परिवार हैं।"

गोपाल शर्मा, डॉ. रसिक संघी, नंदकिशोर लोहिया ने भी अपने विचारों से समाज को अवगत करवाया। आज के कार्यक्रम में मिश्रीलाल राजपुरोहित, सत्यनारायण मालपानी, अशोक मेहता व अध्यापक, अन्य गणमान्य, समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित आगामी प्रांतीय अधिवेशन में श्री बिरला को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री बिरला को बिहार सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण दिया गया। बैठक में सामाजिक विषयों और संगठन की भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय व प्रादेशिक पदाधिकारी रहे शामिल। संगठन के सामाजिक सरोकारों को लेकर हुई महत्वपूर्ण पहल। अधिवेशन के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को किया जाएगा सशक्त। प्रतिनिधि मंडल में सम्मेलन के आगामी राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गोयनका, दिल्ली के अध्यक्ष राजेश सिंघल, पूर्व अध्यक्ष राज कुमार मिश्रा, निवर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मी पत भुतोड़िया, उपाध्यक्ष सज्जन शर्मा और रमेश बजाज शामिल थे। यह मुलाकात सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संरक्षण और संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों के हर्द-गिर्द केंद्रित रही।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पितमपुरा स्थित राजस्थली अपार्टमेंट में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज सेवा, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर मोजीराम लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से एक विशाल निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर लगाया गया, जिसने सैकड़ो लोगों को नई रोशनी प्रदान की।

परिसर में उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति सम्मेलन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश के महान सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष राजेश सिंघल ने इस सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "हमारा सम्मेलन हमेशा से समाज सेवा के लिए समर्पित रहा है। आज का यह निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि नेत्र दान से बढ़कर कोई दान नहीं और नेत्र ज्योति से बढ़कर कोई आशीर्वाद नहीं।

शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा सभी लोगों की आँखों की गहन जांच की गई। इस दौरान, जांच में पाए गए मोतियाबिंद के ऑपरेशन टांके रहित और लेंस के साथ पूरी तरह निःशुल्क किए गए, जिससे कई लोगों को जीवनभर की खुशी मिली। मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गई।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें जिला अध्यक्ष अजय खटाना, कोहाट वार्ड के निगम पार्षद अजय रवि हंस, मंडल अध्यक्ष सहित दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समर्पित कार्यकर्ता शामिल थे। इस पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष राजेश सिंघल, प्रधान रमेश बजाज, तथा आयोजक मंडल में लक्ष्मीपत भुतोरिया, बसंत पोद्दार और संजीव केडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीतामढ़ी शाखा द्वारा २०२३-२५ की रपट

होली मिलन समारोह : सीतामढ़ी शाखा द्वारा नियमित रुप से हर वर्ष होली मिलन समारोह मनाया गया।

गणगौर विसर्जन समारोह : सीतामढ़ी शाखा द्वारा गणगौर विसर्जन समारोह मनाया जाता है। अध्यक्ष जनार्दन जी के भरतिया निवास में एक कृत्रिम कुंड बनाया जाता है। इस वर्ष भी गणगौर विसर्जन समारोह मनाया गया। अपने समाज की लगभग ६०० महिलाओं ने भाग लिया।

शीतल पेय जल : सीतामढ़ी शाखा द्वारा शहर में विजय शंकर चौक, सिनेमा रोड एम बाजार एवं जानकी स्थान चौक में शीतल पेय जल की व्यवस्था की गई।

वृक्षारोपण कार्यक्रम : सीतामढ़ी शाखा द्वारा पुरे उत्साह से सीतामढ़ी शहर के बाईपास रोड स्थित मिथिला मोक्ष धाम में विभिन्न प्रकार के वृक्ष लगाए गए। जिनकी नियमित देखभाल भी की जाती है।

श्री महालक्ष्मी जी की रथ यात्रा : श्री श्री १०८ श्री अग्रसेन जी महाराज की तपोभूमि अग्रोहा से चलकर श्री महालक्ष्मी जी का रथ के सीतामढ़ी पहुंचने पर कारगिल चौक पर स्वागत किया गया।

आम चुनाव २०२४ में मतदान हेतु जागरुकता : सीतामढ़ी में २० मई २०२४ को संपन्न आम चुनाव में मतदान करने हेतु सीतामढ़ी शाखा द्वारा जागरुकता अभियान चलाया गया और चुनाव संबंधित पम्पलेट वितरण किया गया।

अग्रसेन जयंती समारोह : सीतामढ़ी शाखा द्वारा प्रत्येक वर्ष इस समारोह को मनाया जाता है जिसमें अपने समाज से लगभग एक हजार लोग शामिल होते हैं।

श्री गोपाल खेमका की निर्मम हत्या

पटना निवासी उद्योगपति गोपाल खेमका को कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा दिनांक ०४ जुलाई २०२५ को बॉकीपुर क्लब से लौट ने के क्रम में घर के बाहर गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस समाचार से सम्मेलन परिवार को गहरा दुःख हुआ।

दिनांक ०५ जुलाई २०२५ को सम्मेलन के द्वारा बिहार के माननीय मुख्य मंत्री, पुलिस महानिदेशक, मुख्य सचिव, वरीय आरक्षी अधीक्षक एवं श्री ललन सर्राफ विधान पार्षद को इस घटना का विरोध पत्र दिया गया तथा प्रशासन से मांग की गई कि जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ कर उचित कानूनी कारवाई की जाये।

दिनांक ०६ जुलाई २०२५ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभाकक्ष में सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें गोपाल खेमका के निर्मम हत्या पर आक्रोश व्यक्त किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपना-अपना विचार रखते हुए पुनः प्रशासन पर दबाव देने का अनुरोध किया। बैठक के पश्चात् शोक सभा हुई, जिसमें मौन धारण कर परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दारूण दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। सभी सदस्य स्व० खेमका के परिजनों को संतावना देने हेतु उनके घर गये।

प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की, जिसके फलस्वरूप दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है तथा एक अपराधी मुठभेड़ में मारा गया है।

सम्मेलन परिवार मुख्य मंत्री जी एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करता है।

श्रद्धांजलि

हाल ही में पटना में नगर के सुप्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी श्री गोपाल खेमका की नृशंस हत्या कर दी गई। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से पटना कार्यालय में आयोजित शोक सभा में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्रीलंका यात्रा

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के ५४ सदस्यीय दल के श्री लंका यात्रा के दौरान बैठक में महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल, श्री नकुल अग्रवाल, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री दीपक गुप्ता, श्री पवन सुल्तानिया।

बरगढ़ महिला शाखा का गठन

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बरगढ़ महिला शाखा का गठन प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री किशन अग्रवाल के प्रयास से हुआ, जिसमें १) श्रीमती निशा गोयल - अध्यक्ष, २) श्रीमती विशाखा अग्रवाल - सचिव, ३) श्रीमती रेखा अग्रवाल - कोषाध्यक्ष चुने गए।

आप सभी का सम्मेलन परिवार में हार्दिक स्वागत तथा अभिनंदन।

प्रसाद वितरण कार्यक्रम

रथ बहुड़ा के अवसर पर अंगुल शाखा मे प्रसाद बंटन करते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं अन्य शाखा के पदाधिकारी।

शपथ ग्रहण समारोह

टीटलागढ़ महिला शाखा को पद की शपथ दिलाते उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

राष्ट्रीय वन महोत्सव संपन्न

बलांगीर। पौधरोपण करते सम्मेलन के सदस्य

राष्ट्रीय वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बलांगीर शाखा द्वारा ७ जुलाई २०२५ को रामजी स्कूल, कुरुल परिसर में वन दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि निरंजन बिशी ने पर्यावरण के ऊपर ध्यान दिए जाने का विशेष अनुरोध करते हुए कहा कि अगर आज से अगर ध्यान ना दिया जाए तो वह दिन दूर नहीं जब हमें गले में ऑक्सीजन सिलेंडर लटका के घूमना पड़ेगा।

उन्होंने कोविड के समय ऑक्सीजन की कमी को याद दिलाया और वृक्षारोपण पर जोर दिया। अन्य सभी महानुभवों ने भी वृक्षारोपण व पर्यावरण सुरक्षा की आवश्यकता प्रतिपादित की। सभा के बाद सभी अतिथि, उपस्थित विशिष्ट जन एवं स्कूल के शिक्षक, छात्र-छात्राओं की विशाल रैली निकाल पर्यावरण रक्षा के नारे लगाए गए। तत्पश्चात वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। उक्त कार्य क्रम में राज्यसभा सांसद श्री निरंजन बीशी, बोलांगीर सबकलेक्टर, डॉ. सुरेश मेहर सभा में अतिथि के तौर पर उपस्थित थे, बोलांगीर शाखा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, सचिव श्री गजानंद अग्रवाल, राजनीतिक चेतना चेयरमैन श्री विष्णु केडिया, समाज सुधार चेयरमैन श्री मोहन अग्रवाल, बलांगीर उप जिलापाल आलोक पटेल, सुरेश सरंगी, संजय अग्रवाल, रत्नामणि पुरोहित, अनिता सेठ, सुदाम पटेल, सुभा चंद्र पंडा, दिगंबर नायक, कन्हैया अग्रवाल, सुशील अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शीतल पेयजल का शुभारंभ

रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर संबलपुर शाखा द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में शीतल पेयजल संयत्र का शुभारंभ।

प्रांतीय समाचार : मध्य प्रदेश

शहडोल शाखा का शुभारंभ

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन जिला शहडोल के द्वारा गत दिवस मारवाड़ी समाज के चुनाव की प्रक्रिया का आयोजन एक होटल में किया गया। प्रदेश अध्यक्ष विजय सकलेचा जबलपुर एवं शरद सरावगी कटनी के मार्गदर्शन में चुनावी प्रकिया संपन्न हुई। जिसमें आगामी दो वर्षों के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। यहाँ सर्वसम्मति से समाज के लोगों द्वारा शहडोल मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष के रूप में समाजसेवी शीतल पोद्दार को मनोनीत किया गया। इसके साथ ही समाज की कार्यकारिणी में बतौर सचिव अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिल मोर चुने गए। संगठन के अन्य पदों पर मनोनयन समाज के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन व चर्चा उपरांत किया जाएगा। इस अवसर पर मारवाड़ी समाज की नव निर्वाचित पदाधिकारियों के निवर्वाचन के लि सुभाष गुप्ता, पदम खेमका, राजेन्द्र अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, रमेश भगेरिया, सुरेश खंडेलिया, नरेश सिंघल, मनोज अग्रवाल, नंदकिशोर खेड़िया, नवीन सरावगी आदि मौजूद रहे।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

छः शाखाओं की बैठक संपन्न

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दुर्गापुर पश्चिम शाखा की ओर से दिनांक ०७ जुलाई २०२५ को श्री लक्ष्मी नारायण भवन, बेनाचिट्टी, दुर्गापुर-७१३२१३ में दक्षिण बंगाल की ६ शाखाएं क्रमशः आसनसोल, रानीगंज, दुर्गापुर, बर्दवान, बांकुड़ा, पुरुलिया के कार्यकारिणी सदस्यों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में पांच शाखाओं के सदस्यों ने भाग लेकर अपने-अपने विचार रखें। इस बैठक में सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रांतीय समाचार : तमिलनाडु

श्री पवन गोयनका का अभिनन्दन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन कोलकाता की प्रांतीय शाखा तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एक अनूठा कार्यक्रम मारवाड़ी एकता चर्चा माहेश्वरी भवन के प्रांगण में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मूल संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलन व हंसराज राजपुरोहित द्वारा प्रार्थना के उपरांत प्रांतीय शाखा अध्यक्ष अशोक केडिया द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। आज के परिवेश में मारवाड़ी बंधुओं को एकजुट होकर एक आवाज़ उठाने पर विशेष ज़ोर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान शाल ओढाकर व साफ़ा पहनाकर पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, कार्यक्रम संयोजक हंसराज राजपुरोहित व जितेन्द्र लुहार द्वारा किया गया। साथ ही रजत के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल जैन ने तिरुमला तिरुपति बालाजी पर प्रकाशित पुस्तिका व शाखा के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार मूँधड़ा ने माहेश्वरी समाज की सदस्यता व व्यापार निर्देशिका भेंट की।

महासचिव मोहनलाल बजाज ने सम्मेलन की स्थापना व मूल उद्देश्यों की जानकारी दी। साथ ही प्रांतीय शाखा की गतिविधियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर करीब ४० से भी ज्यादा विभिन्न समाजों के ९० पदाधिकारी व उपस्थित प्रतिनिधियों तथा कार्यकारिणी समिति सदस्यों का राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया। संजीव अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से परिचय कराया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में सम्मेलन द्वारा ही मारवाड़ी भाईयों का संगठन व एकता का प्रमाण सम्मेलन द्वारा ही संभव पर प्रकाश डाला। तदुपरांत कई समाज के प्रतिनिधियों ने खुले मंच में अपनी बात रखी। धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता ने किया। मंच का संचालन संयुक्त मंत्री अजय नाहर ने किया। खान-पान की व्यवस्था व मंच की साज सज्जा में अनुराग माहेश्वरी का पूर्ण सहयोग रहा। रजिस्ट्रेशन काउंटर कृष्ण कुमार नथानी व जितेन्द्र लुहार ने संभाला।

इस अनूठे कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में पूर्व महासचिव मुरारीलाल सौंथलिया, रजत के पूर्व अध्यक्ष शांतीलाल जैन, कांतिलाल संघवी, राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन से जगदीश प्रसाद शर्मा, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष अशोक लखोटिया, गौरीशंकर राठी, मालारामजी व अन्य कई बुद्धिजीवियों ने उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

प्रतिभा सम्मान समारोह

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह दिनांक २९ जून २०२५ को महाजाति सदन ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। जिसमें करीबन ४०६ से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी विद्या-साधना को नमन किया गया।

समारोह का उद्घाटन भागवताचार्य बालव्यास श्री श्रीकांत शर्मा एवं पीपीपी समूह सीईओ श्री राजेश सोंथलिया, पार्षद श्री महेश शर्मा, आईआरएस (जीएसटी) श्री मनोज कुमार केडिया, सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल, सचिव श्री पंकज भालोटिया, चार्नक अस्पताल की निर्देशक श्रीमती श्वेता शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, श्रीमती ममता बिनानी एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने इस अवसर पर संस्था की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि १९३९ में राजस्थान से कलकाता आए कुछ मारवाड़ी अग्रजों द्वारा स्थापित यह संस्था आज पश्चिम बंगाल के प्रत्येक जिले में अपनी उपस्थिति और सेवा से समाज को दिशा दे रही है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कारों की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा कि ज्ञान के साथ जब चरित्र का बल जुड़ता है, तब जीवन सार्थक होता है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश तोदी, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री बिमल बेंगानी, श्री बृजमोहन गाड़ोदिया, सर्वश्री सुशील पोद्दार, पवन पाटोदिया, प्रदीप तुलारीवाल, संदीप गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार सुधांशु शेखर, स्काउट गाइड डा. अविनाश गुप्ता, रुपल तोषनीवाल, सुभाष अग्रवाल, निरंजन अग्रवाल, ललित प्रहलादका, नरेश अग्रवाल, डा. नवनीत कौर, विवेक तोषनीवाल, नरेश अग्रवाल, हर्ष भालोटिया, प्रवीण चाँद, श्याम अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, संजय गुप्ता, नरेश जालान, विनिता बंका सहित साथ ही कई प्रांतो के प्रांतीय अधिकारी समेत अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया। महासचिव श्री पंकज भालोटिया ने समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

समारोह के संयोजक श्री मनीष बजाज एवं कार्यक्रम का प्रबंध आनन्द इवेंट्स के श्री प्रदीप ढेडिया द्वारा किया गया एवं संचालन श्री सच्चिदानंद पारीक ने किया।

आयोजन को सफल बनाने में सर्वश्री अभिषेक शरद डोकानिया, शैलेश जिन्दल, रूपक केडिया, गणेश अग्रवाल, संजय जैन, लक्ष्मण अग्रवाल, संजय रूंगटा, सोनू जैन, अभिषेक अग्रवाल सहित कई पदाधिकारियों का श्रम और समर्पण उल्लेखनीय रहा।

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

महिला परिधि द्वारा देव दर्शन ३.०

वेल्लोर और कृष्णगिरि में ४५ श्रद्धालुओं की भक्ति, आनंद और मनोरंजन से भरी अविस्मरणीय यात्रा

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, कर्नाटक, बैंगलोर द्वारा १६ जुलाई २०२५ को आयोजित देव दर्शन ३.० ने श्रद्धा, उल्लास और एकता का अनुपम संगम प्रस्तुत किया। ४५ श्रद्धालुओं का यह दल वेल्लोर के श्री लक्ष्मी नारायणी गोल्डन टेम्पल और कृष्णगिरि के श्री पद्मावती अम्मा मंदिर के दर्शन हेतु एक साथ यात्रा पर निकला।

इस आयोजन का श्रेय सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, सलाहकार मंजू अग्रवाल तथा ट्रिप कन्वीनर उपाध्यक्ष लता चौधरी, उपाध्यक्ष निर्मला गोयल, पूजा मदन अग्रवाल और पारुल अग्रवाल को जाता है। समिति सदस्य सविता अग्रवाल, हेमलता अग्रवाल, अंजू अग्रवाल और आशा मित्तल का योगदान भी अत्यंत सराहनीय रहा।

नवगठित मारवाड़ी सम्मेलन बड़पतार शाखा के प्रस्तावित अध्यक्ष श्री गजानन्दजी अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष सांवरमलजी खेतान सचिव श्री मनोजजी बगड़िया एवं कोषाध्यक्ष पवनजी अग्रवाल एवं सभी सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन।

एक निवेदन

आप सबसे निवेदन है, यह मेंसेज सिर्फ ३ लोगों को जरूर भेजे...

और उन ३ लोगों को कहे की यह मैसेज आगे तीन लोगों को भेजें,

हम सब बलिदान ना सही पर देश के लिए छोटा सा काम तो कर सकते हैं नाः

१. कचरा सड़क पर ना फेंकें।
२. सड़कों, दीवारों पे ना थूकें।
३. नोटों, दीवारों पर ना लिखें।
४. गाली देना छोड़ दें।
५. पानी व लाइट बचाएँ।
६. एक पौधा लगाएँ।
७. ट्रफिक रुल्स ना तोड़ें।
८. रोज़ माता पिता का आशीर्वाद लें।
९. लड़कियों की इज्जत करें।
१०.एम्बूलेंस को रास्ता दें।

देश को नहीं, पहले खुद को बदलें। अगर समय हो तो आगे भेजे।

मध्यम वर्ग का अंतहीन द्वंद्व

मध्यम वर्ग, यह शब्द जितना सीधा-सादा लगता है, उतना ही गहरा और रहस्यमय है। भारत के हर गली-मोहल्ले में इसकी मौजूदगी हैं। इसकी पहचान में छुपा है एक अनकहा संघर्ष।
यह न पूरी तरह साधनहीन है, न पूरी तरह संपन्न।
यह न पूरी तरह परंपरावादी है, न पूरी तरह आधुनिक।

मध्यम वर्ग की सामाजिक स्थिति – दो किनारों के बीच तैरती नाव - पहला द्वंद्व

मध्यम वर्ग का स्थान समाज में ऐसा है, जैसे दो नदियों के संगम पर खड़ी एक नाव।

एक ओर ऊँचे वर्ग की चमक-दमक, दूसरी ओर ज़मीन से जुड़ी सच्चाइयाँ।

इनके सपने बड़े हैं, पर साधन सीमित।

जीवन की बुनियादी ज़रूरतें पूरी हैं, पर **"कुछ और बेहतर"** की तलाश कभी खत्म नहीं होती।

यहीं से शुरू होता है **इस वर्ग का पहला द्वंद्व – ऊपर उठने की चाह और अपनी जड़ों को न छोड़ पाने की मजबूरी।**

समय और देश की बदलती दिशा के साथ चलने की आकांक्षा – दूसरा द्वंद्व।

उदारीकरण के बाद मध्यम वर्ग के जीवन में नए रंग आए।

डिजिटल युग ने सोच और जीने के तरीके बदल दिए।

पर विकास के साथ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी, असुरक्षाएँ भी।

परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना अब आसान नहीं रहा।

परिवार की आकांक्षाएँ और खुद की आकांक्षाएँ, दोनों के बीच फंसा मध्यम वर्ग, न पूरी तरह बदल पाया, न पूरी तरह पुराना रह गया।

स्वयं से संघर्ष "मैं" की तलाश, तीसरा द्वंद्व

सबसे बड़ा द्वंद्व अपने भीतर है। सपने बहुत हैं, पर संसाधन सीमित।

जोश है, पर डर भी – **"अगर असफल हो गया तो?"**

अक्सर मध्यम वर्ग सुरक्षित रास्ता चुनता है, न ज्यादा जोखिम, न ज्यादा संतोष।

नतीजा? न पूरी खुशी, न पूरी निराशा।

समाज से टकराव व उम्मीदों का बोझ - चौथा द्वंद्व

समाज चाहता है, मध्यम वर्ग आदर्श बने, मर्यादा निभाए, नैतिकता दिखाए।

पर वही समाज सफलता को पैसे और पद से तौलता है।

हर भूमिका में **"अच्छा" दिखना जरूरी** - अच्छा बेटा, बेटी, कर्मचारी, नागरिक।

पर दिल चाहता है, थोड़ी आज़ादी, थोड़ा खुद के लिए जीना।

यही वजह है कि दिखावे की दौड़ शुरू होती है – महंगी शादियाँ, बड़ा घर, सोशल मीडिया पर "परफेक्ट" ज़िंदगी।

परंपराएँ निभाएँ या छोड़ें - पाँचवाँ द्वंद्व

मध्यम वर्ग परंपराओं का संवाहक भी है। महिलाएँ बाहर काम करें, पर घर भी संभालें – यह अपेक्षा।

युवा स्वतंत्र सोचें, पर माता-पिता की आज्ञा भी मानें – यह द्वंद्व।

पर बदलते समय में कई बार ये परंपराएँ बोझ लगने लगती हैं।

अपने सपनों की उड़ान पर हकीकत की ज़मीन से सामना – छठा द्वंद्व

बड़े सपने – बच्चों को अच्छी शिक्षा, सम्मानजनक जीवन, खुद की पहचान।

पर महँगाई, नौकरी की चिंता, आकस्मिक खर्च – इन सबके बीच सपनों के पंख छोटे पड़ जाते हैं।

आकांक्षाएँ अधूरी रह जाती हैं, या उन्हें पूरा करने की होड़ में शांति खो जाती है।

पीढ़ियों का आपसी द्वंद्व – नया बनाम पुराना, सातवाँ द्वंद्व

पुरानी पीढ़ी की सोच – सुरक्षा, बचत, स्थिरता।
नई पीढ़ी की सोच – स्वतंत्रता, अनुभव, जोखिम।
"सरकारी नौकरी कर लो" बनाम "स्टार्टअप शुरू करो"।
"शादी जल्दी करो" बनाम "पहले केरियर बनाओ"।
दोनों सही, दोनों अधूरे।
यही पीढ़ियों का अनवरत द्वंद्व है।

मीडिया और दिखावे की दौड़ – आठवाँ द्वंद्व

टीवी, फिल्में, सोशल मीडिया – सबने "परफेक्ट" जीवन का दबाव बना दिया।

महंगे गैजेट्स, फैशन, छुट्टियाँ – सफलता के नए पैमाने।

मध्यम वर्ग भी इस दौड़ में शामिल, कभी-कभी अपनी सामर्थ्य से ज्यादा खर्च करता है।

नतीजा – मानसिक तनाव, ऋण, और आत्ममंथन।

आत्ममंथन – क्या यही जीवन है? नौवाँ द्वंद्व

कभी-कभी मन पूछता है – "क्या मैं सच में खुश हूँ, या बस समाज की अपेक्षाएँ पूरी कर रहा हूँ?"

द्वंद्व का अंत क्यों नहीं? – दसवाँ द्वंद्व

पीढ़ियाँ, समाज, अर्थव्यवस्था – सब गतिशील हैं।

और सबसे बड़ा कारण – मनुष्य का स्वभाव, जो स्थायी संतोष में नहीं रह सकता।

उपसंहार : द्वंद्व ही जीवन है

मध्यम वर्ग का द्वंद्व उसका सच्चा साथी है – कभी थकाता है, कभी आगे बढ़ाता है। इसी द्वंद्व में उसकी असली खूबसूरती छुपी है – सपने देखना, कोशिश करना, गिरकर फिर उठना। हारकर भी हार न मानने की जिद ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है।

यही वह वर्ग है, जो सरकार की तिजोरी भरता है;
कॉर्पोरेट की हर मार्केटिंग रणनीति का केंद्र होता है;
महँगाई की मार हो, करों का बोझ हो या बजट की चोट - हर बार सबसे पहले उसी की जेब कटती है। उसी की कमाई से गरीबों के लिए सब्सिडी और अमीरों के लिए रियायतें दी जाती हैं।

द्वंद्व ही उसका जीवन है फिर भी, वह बदलते भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

– **राज कुमार सराफ़,** उत्तर लखीमपुर - असम

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री ध्रूव माहेश्वरी सिविल लाईंस, कटनी, म. प्र.	**श्री गौरव पारीक** २२१, बजरंग नगर इंदौर, म. प्र.	**श्री गिरीश गांधी** सिविल लाईन्स, कटनी, म. प्र.	**श्री गोपाल अग्रवाल** यशवंत निवास रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री गोपाल चन्द गट्टानी** हनुमानगंज, कटनी, म. प्र.
श्री गोविन्द दास अग्रवाल मे. श्रीगोपाल दाल मिल कटनी, म. प्र.	**श्री हरिश कुमार जैन (दुग्गड)** मे. राजश्री मार्केटिंग, रघुनाथगंज, कटनी, म. प्र.	**श्री के. के. अग्रवाल** ३३६, ए डी, ७४ स्कीम विजय नगर, इंदौर, म. प्र.	**श्री कैलाश चंद शर्मा** ३०१-३०२, पुष्पा रतन मेहर, ३१३, नया पलसिया, इंदौर, म.प्र.	**श्री कृष्ण गोपाल पारसरामपुरिया** ९८, एम. टी. क्लॉथ मार्केट इंदौर, म. प्र.
श्रीमती कृष्णा गुप्ता ए-१, बृजेश्वरी एक्सटेंशन, पिपलीया, इंदौर, म. प्र.	**श्री कृष्ण कुमार जाजोदिया** श्रीराम चेंबर्स, १२, अग्रवाल नगर, मेन रोड, इंदौर, म.प्र.	**श्री कृष्णा कुमार शर्मा** हनुमान गंज, कटनी, म. प्र.	**श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल** ४, इंडस्ट्रीयल एरिया, कटनी, म. प्र.	**श्री ललित रुईया** ६०५, लक्ष्य एवेन्यु, ४/४, मनोरमागंज, इंदौर, म. प्र.
डॉ. लक्ष्मी नारायण खंडेलवाल आदर्श कालोनी, वार्ड नं.-४, कटनी, म. प्र.	**श्री मधुसूदन अग्रवाल** मे. फूलचंद, मुरारीलाल, कटनी, म. प्र.	**श्री मधुसूदन बगड़िया** हाउस नं.-१, फेज नं.-१ राहूल बाग, कटनी, म. प्र.	**श्री मधुसूदन अग्रवाल** गोकुलम-१०, शांति नगर, इंदौर, म. प्र.	**श्री मंगतुराम बजाज** गर्ग चौराहा, हनुमानगंज वार्ड, कटनी, म. प्र.
श्री मनीष अग्रवाल द्वारा- लोकचंद फूलचंद, सर्राफा बाजार, कटनी, म. प्र.	**श्री मनीष अग्रवाल** मालवीय गंज वार्ड, कटनी, म. प्र.	**डॉ. मनीष गट्टानी** मे. चांडक हास्पिटल, कटनी, म. प्र.	**डॉ. मनीष लधानीयाँ** अपोलो डी बी सिटी, निपानियॉं इंदौर, म. प्र.	**श्री मोहन दास अग्रवाल** ५८, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, कटनी, म. प्र.
श्री मोहनलाल बजाज मे. बजाज इंटरप्राइजेज हनुमानगंज, कटनी, म. प्र.	**श्री नंदकिशोर जैन** १२९, शांति निकेतन इंदौर, म. प्र.	**श्री नारायण बजाज** द्वारा- नारायण बजाज, विनोबा भावे वार्ड, कटनी, म. प्र.	**श्री नारायण दास अग्रवाल** मे. फर्स्ट क्राई, अशोक कालोनी, कटनी, म. प्र.	**श्री नारायण दास गट्टानी** जबलपुर रोड, कटनी, म. प्र.
श्री नरेन्द्र कुमार सोमानी २, कंदिया रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री नरेश मोदी** मे. सिद्धी विनायक स्टील्स, नेमावर रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री नयन बजाज** नई बस्ती, हनुमानगंज कटनी, म. प्र.	**श्री नीरज गट्टानी** गर्ग चौराहा, घंटाघर रोड, कटनी, म. प्र.	**श्री नीरज गोयल** मे. ए. जे. इंटरप्राइजेज, अशोक कालोनी, कटनी, म. प्र.
श्री ओम प्रकाश पसारी तिरुपति, प्रथम तल, इंदौर, म. प्र.	**श्री पंकज अग्रवाल** शॉप नं.-५, प्रथम तल, द्वारका सिटी, कटनी, म. प्र.	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** द्वारा- गर्ग मार्केटिंग, पुरैनी, कटनी, म. प्र.	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल ब्रदर्स, कटनी, म. प्र.	**श्री पवन बजाज** मे. वेल्डेक्स इंडिया, इंदिरा गांधी वार्ड, कटनी, म. प्र.
श्री पवन कुमार जाजोदिया नारायण भवन, शीलनाथ कैंप, इंदौर, म. प्र.	**श्री पवन कुमार सुरेका** महात्मा गांधी वार्ड, मुरवार, कटनी, म. प्र.	**श्री प्रभु दयाल सेक्सरिया** ५४-५५, सेक्टर-एफ इंदौर, म. प्र.	**श्री प्रदीप कुमार मित्तल** मे. बालाजी मार्बल्स एंड टाईल्स प्रा. लि., जबलपुर रोड, कटनी, म. प्र.	**श्री प्रह्लाद बजाज** मे. स्पर्श मल्टीसिटी हास्पिटल, हीरागंज, कटनी, म. प्र.
श्री प्रजेश कुमार हलेन १८२/२, छोटी खजरानी, ए.वी. रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री प्रकाश सिंघानियाँ** राजीव गांधी वार्ड, बारही रोड, कटनी, म. प्र.	**श्री प्रशांत अग्रवाल** मे. श्रीराम दाल इंडस्ट्रीज, ५९, इंडस्ट्रीयल एरिया, कटनी, म. प्र.	**श्री प्रसुन बजाज** ६०१, वेंकट वार्ड, कटनी, म. प्र.	**श्री प्रवीण मुरारका** मे. मोडवेयर इंडिया, १५-१६, देवास नाका, इंदौर, म. प्र.
श्री प्रवीण कुमार बजाज माई नदी, कटनी, म. प्र.	**श्री राधेश्याम भगेरिया** मे. बालाजी एजेन्सी, डॉ. चांडक चौक, कटनी, म. प्र.	**श्री राधेश्याम शर्मा** २०१, शालीमार, कार्पोरेट सेन्टर, इंदौर, म. प्र.	**डॉ. राजीव बजाज** मे. कन्हैया हास्पिटल, बरही रोड, कटनी, म. प्र.	**श्री राजीव चमड़िया, सी ए** फिनानसियल एवेन्यू, कटनी, म. प्र.
श्री राजेन्द्र मित्तल ९-ए-१, किला मैदान, लक्ष्मी बाई नगर, इंदौर, म. प्र.	**श्री राजेश थरड़** २१२-२१३, संजना पार्क, इंदौर, म. प्र.	**श्री राजीव अग्रवाल** ६/३, ओल्ड पलासिया, इंदौर, म. प्र.	**श्री राजकुमार रामगढ़िया** रॉयल डायमंड, ३, वाई. एन. रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री रामरतन पायल** शांत नगर, मुर्वरा, कटनी, म. प्र.
श्री रंजन अग्रवाल २०२, एन आर के विला, १३बी, मनोरमागंज, इंदौर, म. प्र.	**श्री रोहित गुप्ता** विजय नगर, इंदौर, म. प्र.	**श्री सम्पत गट्टानी** मित्र बिहार कॉलोनी, आचार्य विनोबाभावे कॉलोनी, कटनी, म. प्र.	**श्री संदीप कुमार सुरेका** मालवीय गंज, कटनी, म. प्र.	**श्री संदीप अग्रवाल** ११२, स्टारलाईट टावर्स, इंदौर, म. प्र.
श्री संजय अग्रवाल सिंघाई कालोनी, बार्ही रोड, कटनी, म. प्र.	**श्री संजय खंडेलवाल** नवनीत ब्रदर्स, सिल्वर टाल्कीज, कटनी, म. प्र.	**श्री संजय कुमार मित्तल** मे. बालाजी मावर्ल्स एंड टाईल्स, बार्गवान, कटनी, म. प्र.	**श्री संजय सरावगी** मे. सरावगी ऑटो पार्ट्स, मिशन चौक, कटनी, म. प्र.	**श्री सत्यनारायण सरावगी** श्री निवास बजरंगलाल, मिर्जापुर रोड, कटनी, म. प्र.
श्री शैलेन्द्र मित्तल ४८-४९, छत्रपति नगर, एयरपोर्ट रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री शरद कुमार हालेन** १८२/१, छोटी खजरानी, ए. बी. रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री शशांक पांडक** चांडक चौक, कटनी, म. प्र.	**श्री श्याम मित्तल** मे. लाडुराम गणेश प्रसाद, रघुनाथगंज, कटनी, म. प्र.	**श्री श्याम सुंदर टिबड़ेवाल** मे. श्याम डेकोरेशन, घंटाघर, हनुमानगंज, कटनी, म. प्र.
श्री सुभाष गोयल विक्रम टावर, प्रथम तल, सपना संगीता रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री सुबोध कुमार शर्मा** पन्ना मोड तिराना, कटनी, म. प्र.	**श्री सुधीर बंका** १०२, मंगलम रेसीडेंसी, इंदौर, म. प्र.	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** राजीव गांधी वार्ड नं.-१३, शास्त्री कालोनी, कटनी, म. प्र.	**श्री सुनिल कुमार टक** ११०, विक्रम टावर, सोनी सेन्टर, इंदौर, म. प्र.
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मैहर रोड, पुरैनी रेसीडेन्सी, कटनी, म. प्र.	**श्री उमेश सिंघानियाँ** एम जेड-१८, बंशी ट्रेड सेन्टर, इंदौर, म. प्र.	**श्री विजय गोयनका, सी ए** शिवयोग बिल्डिंग, २४/५, पारसी मोहल्ला, इदौर, म. प्र.	**श्री विजय गोखरू (जैन)** एस१-६४, दादा धाम कालोनी, कटनी, म. प्र.	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** द्वारका सिटी, हाउस नं.- ८२, कटनी, म. प्र.
श्री विनय रूँगटा रूँगटा कम्पाउंड, घंटाघर कटनी, म. प्र.	**श्री विनोद लोहिया** १८, कंचन बाग, ४०२, प्रिंसेस रेजेन्सी, इंदौर, म. प्र.	**श्री विशाल भुटिया** द्वारा- विशाल भुटिया, मित्तल इंक्लेव, कटनी, म. प्र.	**श्री विष्णु गोयल** मे. ग्लोबल हेराल्ड न्युज, ए.बी. रोड, इंदौर, म. प्र.	**श्री यश अग्रवाल** ३५०, इंद्रापुरी कालोनी, इंदौर, म. प्र.

IAC SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata – 700020

manipalhospitals
LIFE'S ON
Waking Up at
Midnight Just to Pee?
Frequent Urination
Is a Sign of a
Urological Concern.
Let's Help You Find Comfort.
Rely on Experts at Manipal Hospitals.
You Can Count on Us For:
• Advanced Robotic & Laparoscopic Urology
• Comprehensive Kidney Stone Management
• Expertise in Prostate Care
• Dedicated Uro-Oncology Services
• Male Infertility & Sexual Health Care
• Female Urology & Incontinence Care
Visit Manipal Hospitals
Broadway | Saltlake | Mukundapur | Dhakuria | EM Bypass
To Book an Appointment 033 6680 0000
Scan to Access
Special Privileges

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री आनंद कुमार केडिया गद्दी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अनीश सरावगी** २५, रणधीर प्रसाद स्ट्रीट, अपर बजार, रांची, झारखंड	**श्री अनिल बंसल** करकेन्द्र बजार, कुसुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री अनिल छापोलिया** जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** सिनी बजार, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड
श्री अनिल कुमार अग्रवाल गोला रोड, चट्टी बाजार, रामगढ़, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल (बिट्टू)** जी टी रोड, निरसा काँटा, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री अनिल कुमार गोयल** कॉलेज रोड, मुर्मी काला, रामगढ़, झारखंड	**श्री अनिल कुमार मोदी** बामन टोली मोड़, गिरिडीह, झारखंड
श्री अनिल कुमार मूंधड़ा कालीमाटी रोड़, साकची, झारखंड	**श्री अनिल कुमार पारीक** गाँधी टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अनिल कुमार पटवारी** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री अनिल कुमार सराफ** गोमिया, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती अनिता अग्रवाल** मेन रोड,, सिनी बाजार, सिनी पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्रीमती अनिता अग्रवाल सिनी बाजार, जिला सरायकोला, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती अंजना भुवानिया** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड	**श्री अंजनी अगरवाल** गिरिडीह झारखंड	**श्री अंकित बगड़िया** बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अंकित केजरीवाल** भर्तिया रोड, दहला, साहिबगंज, झारखंड
श्री अंकित खेतान काली बाड़ी रोड, कोर्ट रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अंकित कुमार अग्रवाल** जामताड़ा ऑफिस, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री अंकित कुमार भुवानिया** जरामुंडी जिला, दुमका, झारखंड	**श्री अंकित कुमार तमाखूवाला** जेएन रॉय रोड, साहिबगंज, झारखंड	**श्री अंकित शर्मा** चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री अंकूर स्वदेशी महाजन पट्टी, साहिबगंज, झारखंड	**श्री अंकुर जैन** गाँधी टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अंशुल बगड़िया** पुलिस लेन रोड, गिरिडीह, छारखंड	**श्री अंशुल गुप्ता** केसर भवन, दिंदली बस्ती, आदित्यपुर, झारखंड	**सी.ए. अंशुल तुलस्यान** गाँधी चौक, गिरिडीह, झारखंड
श्री अनुप गोयल मेन रोड, सरायढेला, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुप जोशी** अमला टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अनुप खेड़िया** जामताड़ा रोड, बिड़ला ढाल, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुप कुमार अग्रवाल** सोना पट्टी, झारी, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुप कुमार अग्रवाल** ३ए, अशोक नगर, धनबाद, झारखंड
श्री अनुप कुमार अग्रवाल कूचा, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री अनुप कुमार केडिया** बड़ा बाजार, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री अनुप कुमार केजरीवाल** थाना रोड, झरिया, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुप गाड़ोदिया** लालपुर, राँची, झारखंड	**श्री अनुराग हिम्मतसिंहका** भागलपुर रोड, दुमका, झारखंड
श्री अनुराग केजरीवाल मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री अनुराग मोर** बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री अनुराग सोमानी** श्याम बाबा झुमरी तलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार दलान** दुधानी, दुमका, झारखंड	**श्री अर्जुन अग्रवाल** कदमा जेएसआर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल भुइयाँ टोली, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल** राजबाड़ी रोड मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार भालोटिया** गिलन पाड़ा, दुमका, झारखंड	**श्री अर्जुन प्रसाद अग्रवाल** दुगनी, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल** एलसी रोड, धनबाद, झारखंड
श्री अर्जुन कुमार चौधरी गैरेज चौक, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार जालान** टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार केजरीवाल** मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार लाडिया** कुटिया गली, टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अर्जुन कुमार साबू** मेन रोड, खुंटी, झारखंड.
श्री अर्जुन कुमार शर्मा करगली बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री अरविंद कुमार अग्रवाल** रंगाटांड़, धनबाद, झारखंड	**श्री आर्यन शर्मा** श्याम मंदिर, मेन रोड, चांडिल सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्रीमती आशा अगरवाल** सरायकेला, सरायकेला- खरसावाँ, झारखंड	**श्री आशीष अग्रवाल** १०४, प्रार्थना हाइट्स, रातू रोड, राँची, झारखंड
श्री आशीष अग्रवाल कुंवर सिंह चौक के पास, जुगसलाई, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री आशीष अगरवाला** लोहार कुठी, सरायढ़ेला, धनबाद, झारखंड	**श्री आशीष अग्रवाल** म्युनसिपैलिटी चौक, दुमका, झारखंड	**श्री आशीष खंडेलवाल** केसी दे रोड, न्यू बरगंडा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री आशीष खन्ना** साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री आशीष कुमार अग्रवाल डाक बंगला रोड, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री आशीष कुमार अग्रवाल** सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री आशीष कुमार जैन** स्टेशन रोड, कोडरमा, झारखंड	**श्री अशोक चौधरी** धर्मस्य रोड, सरायकेला - खरसावाँ, झारखंड	**श्री अशोक कुमार गुप्ता गर्ग** अपर बाजार, गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड
श्री अशोक कुमार जैन कर्रा रोड, खुंटी, झारखंड	**श्री अशोक कुमार केडिया** कुटिया रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री अशोक कुमार खंडेलवाल** मारवाड़ी मोहल्ला, चतरा, झारखंड	**श्री अशोक कुमार मंगल** अशोक नगर, राँची, झारखंड	**श्री अशोक पंसारी** धैया, धनबाद, झारखंड
श्री अशोक कुमार संधी ३, साकची मॉल एरिया, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री अस्विनी कुमार राजगढ़िया** झंडा चौक, झुमरी तलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री अश्वनी शर्मा** सरायकेला, खरसावाँ झारखंड	**श्री आशीष झुनझुनवाला** राजेन्द्र नगर, बाभन टोली गिरिडीह, झारखंड	**श्री आत्माराम सराफ** धर्मशााल रोड, दुमका झारखंड
श्री अवधेश मित्तल लोहरदगा, झारखंड	**श्री आयुष अग्रवाल (माधोगड़िया)** मटकुडिया, धनबाद, झारखंड	**श्री आयुष बगड़िया** गिरिडीह, झारखंड	**श्री आयुष धंधारिया** स्टेशन रोड, गिरिडीह झारखंड	**श्रीमती बबिता अग्रवाल** सरायकेला- खरसावाँ झारखंड
श्री बबली अग्रवाल सरायकेला-खरसावां झारखंड	**श्री बाबुलाल अग्रवाल** साकची, जमशेदपुर झारखंड	**श्री बैजनाथ केडिया** मेन रोड, चास बोकारो झारखंड	**श्री बजरंग अग्रवाल** बिस्टीपारा (हिरापुर) धनबाद, झारखंड	**श्री बजरंग लाल अग्रवाल (डोकानिया)** कुमारधुबी, धनबाद, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री बजरंगलाल पारीक सदर बाजार, चाईबासा पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री बिमल कुमार चौधरी** गैरेज चौक, सरायकेला खरसावाँ, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार सिंघल** कृषि बाजार, धनबाद झारखंड	**श्री चंद्रशेखर प्रसाद अग्रवाल** फुसरो बाजार, बोकारो झारखंड	**श्री दीपक कुमार खंडेलवाल** रामगढ़, झारखंड
श्री बालकृष्ण शर्मा (चोमल) अंतूचौक, मोराबादी राँची, झारखंड	**श्री बिमल कुमार केडिया** मेन रोड, पचंबा गिरिडीह, झारखंड	**श्री बिनोद डोकानिया** तिरंगा चौक, गिरिडीह झारखंड	**श्री चंद्रेश अग्रवाल** कनिर सिनी बाजार पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री दीपक कुमार सेक्सेरिया** गम्हरिया, सरायकेला– खरसावाँ, झारखंड
श्री बलराम गुप्ता गोविंदपुर, धनबाद झारखंड	**श्री बिमल कुमार खेतान** न्यू बरगंडा, गिरिडीह झारखंड	**श्री बिपिन कुमार जैन** घरियाडीह, गिरिडीह झारखंड	**श्री चेतन अग्रवाल** न्यू बारहद्वारी, साकची जमशेदपुर, झारखंड	**श्री दीपक कुमार शर्मा** कुटिया रोड, गिरिडीह झारखंड
श्री बनवारी लाल अग्रवाल भगवती मार्केट, चाईबासा पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री बिमल कुमार मुरारका** गौशाला, हरमु रोड, राँची झारखंड	**श्री बिपीन कुमार राठी** बिस्टीपाड़ा हिरापुर धनबाद, झारखंड	**श्री चेतन गर्ग** आदित्यपुर, झारखंड	**श्री दीपक नारनोली** जिला स्कूल रोड, दुमका, झारखंड
श्री बसंत लखोटिया कोर्ट रोड, राँची झारखंड	**श्री बिनय खेतान** पचंबा, गिरिडीह झारखंड	**श्री विशाल सेक्सरिया** लहरी टोला, सरायकेला- खरसावां, झारखंड	**श्री चेतन कुमार अग्रवाल** ब्लॉक चौक, कांके रोड राँची, झारखंड	**श्री दीपक शर्मा** दरियाडीह, गिरीडीह झारखंड
श्री भगवान अग्रवाल चिरकुंडा, धनबाद झारखंड	**श्रीमती बिनीता जैन** राँची, झारखंड	**श्री बिष्णु कुमार अग्रवाल** स्टेडियम रोड, सरायकेला खरसावां, झारखंड	**श्री छित्तरमल अग्रवाल** शास्त्री नगर, बोकारो झारखंड	**श्री दीपक शर्मा** वासीडीह, साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री भगवती प्रसाद सोनी कतरासगढ़, धनबाद झारखंड	**श्री बिनोद अग्रवाल** धर्मशाला रोड, चिरकुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री बिट्टु शर्मा** ८२, टंक रोड, साकची जमशेदपुर, झारखंड	**श्री धनेंद्र कुमार जैन** तिरंगा चौक, गिरिडीह झारखंड	**श्री देवेंद्र गोयल** जामताड़ा रोड, निरसा, धनबाद, झारखंड
श्री भारतभूषण मित्तल तुपुदाना, हटिया राँची, झारखंड	**श्री बिनोद छापरिया** अपर बाजार, रांची झारखंड	**श्री ब्रजमोहन अग्रवाल** सरायकेला खरसावाँ झारखंड	**श्री दविंदर अग्रवाल (सिरोहीवाल)** कसीडीह, साकची, झारखंड	**श्री धर्मप्रकाश खेतान** साइप्रेस टावर, धनबाद, झारखंड
श्री भर्तीया आदित्य विक्रम बरगंडा रोड, गिरिडीह झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** अपर बाजार, चिरकुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री बृजेश कुमार केडिया** छुट्टी बाजार, गिरिडीह झारखंड	**श्री दीनदयाल लाखोटिया** अपर बाजार, राँची झारखंड	**श्री धीरज कुमार खेतान** पंजाबी मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड
श्री भवानी शंकर अग्रवाल न्यू रोड, फूसरो बोकारो, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** अपर बाजार रोड, झरिया धनबाद, झारखंड	**श्रीमती चंदा अग्रवाल** चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम झारखंड	**श्री दीपक अग्रवाल** जमशेदपुर, झारखंड	**श्री धीरज खेतान** रतनजी रोड, पुराना बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री भीखमचंद केडिया मानगो चौक के पास जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** कदमा, जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री चंदन कुमार अग्रवाल** बैंक मोड़, धनबाद झारखंड	**श्री दीपक अग्रवाल** चट्टी बाजार, रामगढ़ झारखंड	**श्री धीरज कुमार जैन** स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री भूपेन्द्रा अग्रवाल मारवाड़ी पट्टी, केंदुआ बाजार, केंदुआडीह, धनबाद, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** बिस्टीपाड़ा, हिरापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री चंदन कुमार अग्रवाल** गोलपुरी, पूर्वी सिंहभूम झारखंड	**श्री दीपक बंसल** लालपुर, राँची झारखंड	**श्री दिगम्बर प्रसाद अगरवाला** स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री बिजय कुमार अगरवाला ब्लॉक कॉलोनी, फुसरो बोकारो, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार चौधरी** तुइलाडुंगरी शॉप एरिया जमशेदपुर, झारखंड	**श्री चंदन कुमार गोयल** बरवाटोली, लोहरदगा झारखंड	**श्री दीपक झुनझुनवाला** गिरिडीह रेलवे स्टेशन के पास गिरिडीह, झारखंड	**श्री दिलीप अग्रवाल** मेन रोड, फुसरो, बोकारो, झारखंड
श्री बिजय कुमार खंडेलवाल बरवाडीह, गिरिडीह झारखंड	**श्री बिनोद कुमार डालमिया** हटिया रोड, पचंबा गिरिडीह, झारखंड	**श्री चंदन कुमार केडिया** बरमसिया, गिरिडीह झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** लालजी हिरजी रोड, मेन रोड, राँची, झारखंड	**श्री दिलीप खेतान** महतो मार्केट, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड
श्री बिजय तुलस्यान मेन रोड, सरायढ़ेला धनबाद, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार गोयल** केंदुआपुल, कुसुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री चंदन कुमार रूँगटा** मेन रोड, चांडिल, सरायकेला, खरसावां, झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** पुरानी पुरुलिया रोड, मानगो, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** धर्मशाला रोड, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड
श्री बिकाश रुंगटा चांडिल, सरायकेला, खरसावां, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार जैन** मकटपुर रोड, गिरिडीह झारखंड	**श्री चंद्रप्रकाश गोयनका** बाभनटोली, गिरिडीह झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** कुमारधुबी बजार, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** गुरुद्वारा रोड, मऊभंडार, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड
श्री बिकेश कुमार दीवान सोनारी, जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार खेरिया** जामताड़ा रोड, निरसा धनबाद, झारखंड	**श्री चंद्रप्रकाश रुहिया** लेक रोड, राँची झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार जुझार सिंहका** धर्मशाला रोड, दुमका, झारखंड
श्री बिमल अखेरामका पंजाबी मोहल्ला, मटकुरिया धनबाद, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार शर्मा** धर्मशाला रोड, चिरकुंडा धनबाद, झारखंड	**श्री चंद्रशेखर गुप्ता** गोविंदपुर, धनबाद झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** बोकारो, झारखंड	**श्री दिलीप कुमार केडिया** न्यू मार्केट, धनबाद, झारखंड

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री दिलीप कुमार लढ़ा १५, गोलमुरी मेन रोड, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री गौरव अग्रवाल** शॉप नं.-८०, एएमवाई चास, बोकारो, झारखंड	**श्री हरिमोहन केडिया** बक्शीडीह, गिरिडीह, झारखंड	**श्रीमती जयश्री अग्रवाल** पुराना सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री कमल कुमार जालान** टुंडी रोड, गिरिडीह, झारखंड
श्री दीनेश देबुका हिन्दु बस्ती, गोलमुरी मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री गौरव गवनपुड़िया** साकची, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री हरिओम कुमार बंसल** मित्तल कॉलोनी, गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री जलज चौधरी** मुग्मा, धनबाद झारखंड	**श्री कमल कुमार लाठ** रानीसती मंदिर रोड, अमला टोला, चाईबासा, झारखंड
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल सिनी, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री गौरव गुप्ता** चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री हरीश कुमार सुल्तानिया** मेन रोड, चाँडिल, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** शास्त्री नगर, धोवाटांड, धनबाद, झारखंड	**श्री कमलेश अग्रवाल** शक्ति प्लाजा, जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल आदित्यपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री घनश्याम अग्रवाल** काशीडीह, जमशेदपुर झारखंड	**श्री हर्ष पसारी** अमला टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री जितेंद्र अग्रवाल** मेन रोड राजबंद, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री कन्हैया मोदी** कमलाकांत रोड, नवा टोली, हरमु रोड, राँची, झारखंड
श्री दिनेश कुमार भालोटिया गढ़ मोहल्ला, गिरिडीह, झारखंड	**श्री घनश्याम हेलिवाल** भेलाटांड रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री हर्ष शर्मा** डिस्पेन्सरी रोड, सोनारी, जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड	**श्री जितेंद्र टिबड़ेवाल** झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्रीमती कंचन अग्रवाल** मांझी टोला, आदित्यपुर, झारखंड
श्री दिनेश कुमार खेमका न्यू रोड, साहिबगंज झारखंड	**श्री गिरिधारी लाल अग्रवाल** कुमारधुबी, धनबाद, झारखंड	**श्री हजारी लाल गोयल** अमला टोला, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री जीतेंद्र जैन** मेन रोड, चतरा, झारखंड	**श्री कन्हैया राजगढ़िया** मेन रोड, लोहरदगा, झारखंड
श्री दिनेश कुमार मेहरिया नया पड़ा, दुमका, झारखंड	**श्री गोपाल चौधरी** मेन रोड, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री हेमंत जैन** बुढ़िया बगान, हिंदपीढ़ी, राँची, झारखंड	**श्री जितेश खंडेलवाल** सुभाष चौक, टुंगरी, चाईवासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्रीमती कांता देवी सेक्सरिया** सिनी, सरायकेला-खरसावाँ, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड
श्री दिनेश सारस्वत बड़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री गोपाल कदमिया** पार्क मार्केट, हीरापुर झरनापुर, धनबाद, झारखंड	**श्री हेमंत सिंह डुग्गर** माँ दुर्गा कॉम्प्लेक्स, झंडा चौक, झुमरीतलैया, कोडरमा, झारखंड	**श्री जॉनी अग्रवाल** स्टेडियम रोड, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री कपूर चंद अग्रवाल** रतनजी रोड, पुराना बाजार, धनबाद, झारखंड
श्री दीप चंद लोहिया चास, बोकारो, झारखंड	**श्री गोपाल कुमार अग्रवाल** दादी भवन, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री हितेश खंडेलवाल** तिरंगा चौक, गिरिडीह झारखंड	**श्रीमती ज्योति शर्मा** स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री केदार नाथ पोद्दार** जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, झारखंड
श्री दीपक कानोड़िया धनसार, धनबाद, झारखंड	**श्री गोपाल पारीक** अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री ऋतिक सरावगी** सोनार गली, अपर बाजार, रंगीला मेशा मर्ट, राँची, झारखंड	**श्री कैलाश चंद्र हेमका** सदर बाजार, चास, बोकारो, झारखंड	**श्रीमती केसर छावछरिया** सीताराम डेरा, जमशेदपुर, झारखंड
श्री दीपक कुमार अग्रवाल बेहरासाई, सरायकेला – खरसावाँ, झारखंड	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** न्यू भभल, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्रीमती इन्दिरा विजय** मिस्त्री मोहल्ला, डोरंडा, राँची, झारखंड	**श्री कैलाश छावछरीया** सीतारामडेरा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री किशन अग्रवाल** केंदुआ बाजार, करकेंड, धनबाद, झारखंड
श्री दीपक कुमार गोयल मेन रोड, सिनी, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** श्याम बाजार रोड, दुमका, झारखंड	**डॉ. ईश्वर प्रसाद मित्तल** आशियाना गार्डेन, सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री कैलाश गर्ग** गर्ग मैन्शन, जैनामोड़, बोकारो, झारखंड	**श्री किशन अग्रवाल** कुबेर सिंह कॉलोनी, चास, बोकारो, झारखंड
श्रीमती एकता अग्रवाल सरहायकेला – खरसावाँ झारखंड	**श्री गोपाल शर्मा** रतन माइका रोड, पचंबा, गिरिडीह, झारखंड	**श्री जगदीश अग्रवाल** २५, रामदास भट्टा, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री कैलाश कुमार मोदी** मेन रोड, दुमका, झारखंड	**श्री किशन अग्रवाल** धरियाडीह सहाना गली, गिरिडीह, झारखंड
श्रीमती एकता अग्रवाल सिनी, सरायकेला, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड	**श्री गौरव जैन** स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखंड	**श्री जगदीश पोद्दार** जामताड़ा रोड, (हरियाजम), धनबाद, झारखंड	**श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल** जी टी रोड, अपर बाजार, चिरकुंडा, धनबाद, झारखंड	**श्री किशोर कुमार अग्रवाल** गायत्री मंदिर गली, तिरंगा चौक, गिरिडीह, झारखंड
श्री गजानन्द अग्रवाल सेंट्रल कॉलोनी, फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री गौरव शर्मा** शिवाजी रोड, किला मंदिर के पार, रामगढ़, झारखंड	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** राजेंद्र नगर, साकची, जमशेदपुर, झारखंड	**श्री कमल छपड़िया** बंशीधर अडुकिया रोड, अपर बाजार, राँची, झारखंड	**श्री कौशिक मोदी** सोनारी, जमशेदपुर, झारखंड
श्री गजानन्द हेमका चास, बोकारो, झारखंड	**श्री गौरव सिंघानिया** टुंडी रोड, तिरंगा चौक के पास, गिरिडीह, झारखंड	**श्री जय नारायण शर्मा** जैन मंदिर, कास्टर टाउन, देवघर, झारखंड	**श्री कमल कुमार अग्रवाल** सब्जी पट्टी, मेन रोड, सरि, धनबाद, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार** बंसल हाउस, किलबर्न कॉलोनी, राँची, झारखंड
श्री गणेश अग्रवाल (दब्बू) सम्पत बाजार, बढ़ा चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री गोविंद कुमार अग्रवाल** राजहंस मैन्शन, बैंक मोड़, धनबाद, झारखंड	**श्री जय प्रकाश खेड़िया** जी टी रोड, धनबाद, झारखंड	**श्री कमल कुमार अग्रवाल (खेड़िया)** जामताड़ा रोड, बिड़ला ढाल, निरसा, धनबाद, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** मनीफिट मार्केट, जमशेदपुर, झारखंड
श्री गणेश बंका आदर्श बिहार, लक्ष्मी नारायण निवास, धनबाद, झारखंड	**श्री हंसराज दुधोड़िया** मकटपुर चौक, गिरिडीह, झारखंड	**श्री जय प्रकाश मित्तल** गोविंदपुर, धनबाद, झारखंड	**श्री कमल कुमार चौधरी** धर्मशाला, सरायकेला-खरसावाँ, झारखंड	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** गोलमुरी मार्केट, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll-free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com |
We are also available at: amazon | Flipkart | JioMart
SCAN & EXPLORE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 28th July, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com